श्रावण शुक्ल - 2 | संवत 2080 | वर्ष - 10 | अंक - 351 | पृष्ठ - 8 | रु. 5/- | चेन्नई » बुधवार » 19-07-2023 | www.dakshinbharat.com | Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बीमारू राज्य की श्रेणी से निकलकर सक्षम प्रदेश बनने की राह पर है उत्तर प्रदेश

6 राजनीतिक चंदे की पारदर्शी व्यवस्था बनाना जरूरी

7 मैं हमेशा ऐसी फिल्में करती हूं जिन्हें मैं पूरे परिवार के साथ देख सकूं : सोनाक्षी सिन्हा

फर्स्ट टेक

ताइवान अमेरिका से खरीदेगा वायु रक्षा प्रणाली

ताइपे/वार्ता। ताइवान के रक्षा मंत्री चिउ कुओ-चेंग ने मंगलवार को कहा कि उनका देश यूक्रेन युद्ध के दौरान बढ़िया प्रदर्शन करने वाली राष्ट्रीय उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली (एनएएसएएमएस) को अमेरिका से खरीदेगा। ताइवान की सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने चिउ के हवाले से कहा, रूसी-यूक्रेनी संघर्ष से यह स्पष्ट है कि इस रक्षा प्रणाली की विशेषताएं वास्तव में अच्छी हैं। अभी तक इसे खरीदने के कार्यक्रम की कोई आधिकारिक अधिसूचना नहीं है, लेकिन इस पर काम चल रहा है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2024 के लिए ताइवान के रक्षा बजट में अमेरिका से दो एनएएसएएमएस वायु रक्षा प्रणाली खरीदना शामिल होगा।

समुद्र तट पर आकर फंसी 50 से अधिक व्हेल मछलियों की मौत

लंदन/वार्ता। स्कॉटलैंड में आस्ले ऑफ लुईस के समुद्र तट पर आकर फंसी 50 से अधिक पायलट व्हेल मछलियों की मौत हो गई। देश में इस तरह की घटना दशकों बाद देखी गयी है जब इतनी बड़ी संख्या में व्हेल मछलियां तट पर आकर फंस गयी। अधिकारियों को रविवार सुबह लगभग छह बजे पर घटना के बारे में सूचित किया गया और बाद में 10 से अधिक जीवित व्हेलों को वापस लाने के प्रयास किये गये लेकिन वे असफल रहे। बताया गया है कि एक व्हेल मछली जीवित बच गई। चैरिटी ब्रिटिश डाइवर्स मरीन लाइफ रेस्क्यू (बीडीएमएलआर) ने संदेह व्यक्त किया है कि एक व्हेल को प्रसव संबंधी जटिलताओं का सामना करने के बाद यह पूरा समूह वहां आकर फंस गया। बीडीएमएलआर ने कहा, पायलट व्हेल अपने मजबूत सामाजिक बंधनों के लिए कुख्यात हैं, इसलिए अक्सर जब एक व्हेल मुश्किल में फंस जाती है तो बाकी व्हेल भी उसका पीछा करती हैं।

चार विदेशी आतंकवादी ढेर, बड़ा आतंकी हमला नाकाम

पुंछ/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों के साथ भीषण मुठभेड़ में भारी हथियारों से लैस चार विदेशी आतंकवादियों को मंगलवार को ढेर कर दिया गया। इस अभियान ने क्षेत्र में संभावित आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया है। सेना ने यह जानकारी दी है। सुरक्षा बलों ने 16 और 17 जुलाई की दरमियानी रात में पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा से घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम कर दिया था। इसके एक दिन बाद चार आतंकवादियों को ढेर किया गया है। इससे पहले दिन में, जम्मू परिक्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने सुरनकोटे के सिंदराह टॉप इलाके में चार आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि की थी।

सूर्यास्त 19-07-2023	सूर्योदय 20-07-2023
6:39 बजे	5:51 बजे

BSE	NSE
66,795.14	19,749.25
(+205.21)	(+37.80)

सोना	चांदी
6,178 रु.	81,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

एनडीए से मुकाबला अब विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' करेगा

वैकल्पिक राजनीति और सामाजिक-आर्थिक एजेंडा पेश करने का संकल्प

■ अगली बैठक मुम्बई में होगी, 11 सदस्यों की समिति बनेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/वार्ता। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं ने मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने महागठबंधन भारतीय राष्ट्रीय लोकतांत्रिक समावेशी गठबंधन (इंडिया) से अगले लोकसभा चुनाव में मुकाबले की चुनौती दी।

देश के 26 प्रमुख विपक्षी दलों की आज यहां संपन्न मेगा राजनीतिक बैठक के बाद गांधी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह मोदी और भाजपा की विचारधारा के खिलाफ लड़ाई है। उन्होंने कहा, यह राजग बनाम इंडिया और नरेंद्र मोदी बनाम इंडिया की लड़ाई है। लाखों भारतीयों से देश की आवाज छीनी जा रही है। यह भारत की आवाज के लिए लड़ाई है और इसीलिए हमने यह इंडिया नाम चुना है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई मोदी और उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधारा के खिलाफ भी है। उन्होंने कहा , हम भारतीय संविधान, अपने लोगों की आवाज और इस महान देश के विचार की रक्षा के लिए कृतसंकल्पित हैं।

सुबनर्जी ने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग को 'इंडिया' का सामना करने की चुनौती दी। उन्होंने आरोप लगाया, सरकार का एक ही काम है सरकारें खरीदना और बेचना। भाजपा देश को बेचने और लोकतंत्र को खरीदने का सौदा कर रही है। यही कारण है कि वे स्वतंत्र एजेंसियों को काम नहीं करने देते। उन्होंने विपक्ष के संकल्प को बुलंद स्वर देते हुए कहा , 'इंडिया' जीतेगा, भाजपा हारेगी. इंडिया जीतेगा,देश जीतेगा। 'इंडिया' से मुकाबला करने की राजग की क्षमता पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, हमने एक वास्तविक चुनौती ली है। राजग, क्या आप इंडिया को चुनौती दे सकते हैं? भाजपा , क्या आप इंडिया को चुनौती दे सकते हैं? हम अपनी मातृभूमि से प्यार करते हैं। हम इस देश के देशभक्त लोग हैं। हम देश के लिए हैं, युवाओं के लिए हैं। किसानों के लिए, अच्छी अर्थव्यवस्था के लिए, दलितों के लिए, सभी के लिए हैं। उन्होंने कहा, हमारी सारी चुनौती, फोकस प्रचार, अभियान और कार्यक्रम इंडिया के बैनर तले होंगे। अगर किसी को कोई चुनौती है, तो हो सके तो हमें पकड़ें। भारत को आपदा से बचाएं।

सोनिया और राहुल के विशेष विमान में तकनीकी खराबी, भोपाल में उतारा गया

भोपाल/वार्ता। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के विशेष विमान को तकनीकी खराबी के कारण आज देर शाम यहां राजा भोज हवाईअड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। हवाईअड्डा सूत्रों के अनुसार दोनों ही नेताओं को विमान से सुरक्षित उतारकर हवाईअड्डे के विशेष लाउंज में ले जाया गया है। ये दोनों नेता बंगुलुरु में आयोजित विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने के बाद वापस दिल्ली लौट रहे थे। विमान में अचानक तकनीकी खराबी का पता चलने पर पायलट ने सूझबूझ का परिचय देते हुए उसे भोपाल हवाईअड्डे पर आवश्यक अनुमति के बाद आपात स्थिति में उतारा।

सहारा के निवेशकों को वापस मिलेगा पैसा : शाह

■ सहारा में 10 हजार रुपए तक का निवेश करने वाले करीब एक करोड़ सात लाख निबंधित व्यक्तियों को उनके निवेश की राशि लौटायी जाएगी। यह राशि 45 दिनों के अंदर उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सहारा समूह की को-ऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेश करने वाले करोड़ो वैध निवेशकों को उनकी राशि लौटाने की व्यवस्था की जा रही है।

शाह ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के सदस्यों को निवेश की राशि लौटाने के लिए सहकारी समितियों के केंद्रीय रजिस्ट्रार (सीआरसीएस) के पोर्टल- 'केन्द्रीय पंजीयक- सहारा रिफण्ड पोर्टल' का आज उद्घाटन करते हुए कहा कि सबसे पहले छोटे निवेशकों को उनकी गाढ़ी कमाई का हिस्सा लौटाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सहारा में 10 हजार रुपये तक का निवेश करने वाले करीब एक करोड़ सात लाख निबंधित व्यक्तियों को उनके निवेश की राशि लौटायी जाएगी। यह राशि 45 दिनों के अंदर उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सहारा समूह की विभिन्न समितियों में कुल चार करोड़ निवेशकों ने अपनी पूंजी लगायी थी। इस मामले में कहीं भी गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी और पारदर्शी तरीके से लोगों को भुगतान किया जाएगा। उन्होंने विश्वास दिलाया कि निवेशकों के साथ पूरा न्याय होगा। उन्होंने कहा कि सहारा को-ऑपरेटिव सोसाइटी में 30 हजार रुपये तक निवेश करने वाले लगभग ढाई करोड़ लोग हैं, जिन्हें पैसा मिलेगा।

वीडियोकॉन के संस्थापक धूत के बैंक, डीमैट खातों की कुर्की का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक सेबी ने वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत के बैंक और डीमैट खातों के साथ म्यूचुअल फंड में जमा राशि कुर्क करने का आदेश दिया है। यह आदेश कुल 5.16 लाख रुपये बकाया की वसूली के लिये दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने धूत के ऊपर मार्च में जुर्माना लगाया था। यह जुर्माना सुप्रीम एनर्जी में जुड़े हित के साथ कुछ लेन-देन के संदर्भ में क्वॉलिटी टेक्नो एडवाइजर्स प्राइवेट लि. और क्रेडेन्शियल फाइनेंस लि. के आपस में जुड़े होने के बारे में खुलासा नहीं करने को लेकर लगाया गया था। सेबी ने सोमवार को जारी कुर्की नोटिस में कहा कि धूत के ऊपर 5.16 लाख करोड़ रुपये का जुर्माना बकाया है। इसमें पांच लाख रुपये के जुर्माने के साथ 15,000 रुपये ब्याज तथा 1,000 रुपये वसूली लागत है।

रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाएंगे भारत और अर्जेंटीना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। भारत और अर्जेंटीना ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के दौरे पर आए अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री जॉर्ज एनरिक तायाना के साथ मंगलवार को यहां रक्षा संबंधों पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने रक्षा औद्योगिक साझेदारी को बढ़ाने के उपायों सहित रक्षा सहयोग के अन्य पहलुओं पर बातचीत की।

बातचीत के बाद सिंह ने ट्वीट कर कहा कि अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

इससे पहले दिन में, अर्जेंटीना के रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया और शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। वार्ता से पहले, जॉर्ज तायाना को तीनो रक्षा सेवाओं की तरफ से गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया किया गया। तायाना भारत की चार दिवसीय यात्रा पर सोमवार को यहां पहुंचे थे। उनके साथ अर्जेंटीना के रक्षा मंत्रालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के सचिव फ्रांसिस्को कैफ़िएरो भी आए हैं।

विपक्ष पर मोदी का वार, कहा

राजग को फिर जिताने का मन बना चुकी है जनता

पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का प्रधानमंत्री ने उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतातांत्रिक गठबंधन (राजग) के विरुद्ध मोर्चाबंदी करने में लगी विपक्षी पार्टियों पर मंगलवार को तीखा हमला करते हुए कहा कि देश की बदहाली तथा भ्रष्टाचार और भाई भतीजावाद की राजनीति के लिए जिम्मेदार कुछ लोग आम चुनाव से पहले अब अपनी दुकान खोल कर बैठ गए हैं और वे जनता में भ्रम फैलाते हैं।

मोदी ने यह भी कहा देश की जनता 2024 में एक बार फिर उनकी (राजग की) सरकार को वापस लाने का मन बना चुकी है।

प्रधानमंत्री सुबह पोर्ट ब्लेयर के वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए एकीकृत टर्मिनल भवन के उद्घाटन समारोह को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

गौरतलब है कि कांग्रेस और 25 अन्य दलों ने बेंगलूरु में दो दिन की बैठक के बाद आज शाम 'इंडिया'(इंडियन नेशनल डेवलमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस) नाम से एक नया गठबंधन बनाने की घोषणा की है और ये पार्टियां इसके लिए एक समन्वय समिति गठित करने वाली हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सुबह पोर्टब्लेयर में आयोजित कार्यक्रम को दिल्ली से आन लाइन संबोधित करते हुए कहा, आज देश के लोग 2024 चुनाव में फिर एक बार हमारी सरकार वापस लाने का मन बना चुके हैं, निर्णय ले चुके हैं। ऐसे में भारत की बदहाली के जिम्मेदार कुछ लोग अपनी दुकान खोलकर बैठ गए हैं। मोदी ने बेंगलूरु में विपक्ष की बैठक का उल्लेख करते हुए कहा, ... गाना कोई और गाया जा रहा है, जबकि सच्चाई कुछ और है। लेबल किसी और का लगाया गया है, जबकि प्रॉडक्ट कुछ और ही है। इनकी दुकान की यही सच्चाई है। इनकी दुकान पर दो चीजों की गारंटी मिलती है। एक तो ये अपनी दुकान पर जातिवाद का जहर बेचते हैं। और दूसरा, ये लोग असीमित भ्रष्टाचार करते हैं। आजकल ये लोग बेंगलूरु में जुटे हैं।

मोदी ने विपक्ष पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाते हुए अवधि भाषा की एक कविता की ये पंक्तियां सुनाईं,गायित कुछ है, हाल कुछ है, लेबिल कुछ है, माल कुछ है।

मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक से पहले एनडीए नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को माला पहनाई गई।

सीमा हैदर से लगातार दूसरे दिन एटीएस ने पूछताछ की

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने मंगलवार को पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर से लगातार दूसरे दिन पूछताछ की, जो मई में अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थी और अब ग्रेटर नोएडा में अपने भारतीय साथी सचिन मीणा के साथ रह रही है। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एटीएस सीमा के साथी सचिन को भी पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई है। उत्तर प्रदेश एटीएस ने पहली बार सोमवार को सीमा और सचिन से नोएडा स्थित अपने कार्यालय में पूछताछ की थी।

पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में

बृज भूषण सिंह को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा दर्ज कराए गए यौन उत्पीड़न मामले में मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख और भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण शरण सिंह को दो दिन की अंतरिम जमानत दे दी। अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटिन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह ने सिंह को 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर राहत दी। अदालत ने मामले में डब्ल्यूएफआई के निलंबित सहायक सचिव विनोद तोमर को भी जमानत दे दी। छह महिला पहलवानों और एक नाबालिग पहलवान द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद चर्चा में आए सिंह और तोमर जारी समन के अनुपालन में पहली बार अदालत में पेश हुए और मामले में जमानत का अनुरोध किया।

भूमि रिकार्ड के डिजिटलीकरण से पारदर्शिता आएगी : मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जमीन से जुड़े विवादों में एक बड़ी आबादी के उलझे रहने और अदालतों में इन मामलों में अधिक समय लगने का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि भूमि रिकार्ड के डिजिटलीकरण तथा सूचना सम्पर्क स्थापित करने की पहल से देश एवं संस्थानों की ऊर्जा अब विकास कार्य में लगेगी।

ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित 'भूमि सम्मान 2023' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा, आज भूमि सम्मान प्राप्त करने वाले सभी राज्यों और जिलों के अधिकारियों और उनके दल को मैं बधाई देती हूं। मैं आशा करती हूं कि इस सम्मान समारोह से, अन्य राजस्व अधिकारियों को और अधिक लगन के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी तथा राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीमा की सीमा

सीमा ने सीमा लांघी क्यों,
सारा मिडिया हैरान आज।
हैदर खुद भी है हैरत में,
अनजान बनी क्यों जान आज।
पबजी की बातें रब जाने,
यह प्यार बना घमसान आज।
सच पाक हुक्मरां बतलाए,
यह पूछे हिन्दुस्तान आज।।

मानव कोशिका प्रोटीन के बुढ़ापा रोधी कार्य की खोज की गई

नई दिल्ली/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने मानव कोशिकाओं के भीतर एक प्रोटीन में बुढ़ापा रोधी गुण पाया है।

विश्वविद्यालय के क्वींसलैंड मस्तिष्क संस्थान (क्यूबीआई) के शोधकर्ताओं के मुताबिक इस प्रोटीन की पहचान एटीएसएफ-1 के रूप में की गयी है, जो नए माइटोकॉन्ड्रिया के निर्माण और क्षतिग्रस्त माइटोकॉन्ड्रिया की मरम्मत के बीच बेहतर संतुलन को नियंत्रित करता है।

माइटोकॉन्ड्रिया कोशिका का वह हिस्सा होता है, जो ऊर्जा के उत्पादन के लिए जिम्मेदार होता है।

क्यूबीआई में एसोसिएट प्रोफेसर स्टीवन ज़्यूरिन ने कहा, मानव कई ऐसी बीमारियों से पीड़ित होता है, जिसका मूल कारण माइटोकॉन्ड्रिया का सही ढंग से काम नहीं करना है। ऐसी बीमारियों में कई मानव रोगों के मूल में है, जिनमें डिमेंशिया और पार्किंसंस जैसी उम्र से संबंधित बीमारियां शामिल हैं।

माइटोकॉन्ड्रिया द्वारा उत्पादित ऊर्जा जैविक कार्यों को संचालित करती है, जबकि इस प्रक्रिया के विषाक्त उप-उत्पाद कोशिका की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में योगदान करते हैं।

स्टीवन ज़्यूरिन ने कहा, हमारी खोज स्वस्थ मानवों में उम्र बढ़ने और विरासत में मिली माइटोकॉन्ड्रिया संबंधी बीमारियों वाले मानवों के जीवन पर रोमांचक प्रभाव डाल सकती है।

'जीतो' महिला विंग द्वारा वृक्षारोपण एवं सावणी तीज का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नॉर्थ चैप्टर की महिला विंग द्वारा यलहंका स्थित राठौड़ फार्म हाउस में एक दिवसीय प्रशिक्षण 'संस्था की जड़ से जुड़ना, वृक्षारोपण एवं तीज-त्योहार' का आयोजन अध्यक्ष बिंदु रायसोनी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। बिन्दु रायसोनी ने उपस्थित सदस्याओं का स्वागत करते हुए आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक उत्थान के लिए सबको कार्य करने की प्रेरणा दी। आयोजन में मुख्य प्रशिक्षक निशा सामर ने कहा कि तीज़ त्योहार भारतीय संस्कृति का अहम हिस्सा है। रुटेड सेलिब्रेशन-ग्रोविंग ट्रेडिशन पर उन्होंने कहा कि हमें अपनी जड़ों से मज़बूती से जुड़े रहना बहुत ज़रूरी है। वृक्षारोपण के विषय में उन्होंने कहा कि वृक्षों को लगाना, वातावरण को नया जीवन देना होता है। पेड़ पौधे हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक होते है परंतु आधुनिक समय में जैसे-जैसे आबादी बढ़ती जा रही है, पेड़ों की लगातार कटाई होती जा रही है। वृक्षारोपण करने से हमारा वातावरण शुद्ध होगा, जिससे हमें शुद्ध प्राणवायु मिलेगी। महिला विंग की पूर्व अध्यक्ष पिंकी जैन, मधु डोसी, पैट्रन मेम्बर रेखा जैन तथा जीतो साउथ की महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गाँधी ने कहा कि भारत में त्योहारों का बहुत महत्व है। त्योहार हमारे समाज और राष्ट्र की एकता-समृद्धि, प्रेम, मेल-मिलाप का प्रतीक भी है। त्योहार समय-समय पर हमारी संस्कृति और परंपरा को पुष्ट करते रहते है।

इस अवसर पर जीतो नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, महामंत्री सुधीर गादिया एवं सचिव कमल पुनमिया ने महिला विंग को बधाई दी। इस तीज त्योहार आयोजन में थीम मेहंदी, आरती थाली, सत्तू मिठाई प्रस्तुति आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ एवं पूर्वाध्यक्षों ने निर्णायक की भूमिका निभायी। समिति सदस्य अशोक भंडारी ने सभी का उत्साहवर्धन किया। अनेक महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। संयोजिका शिखा तातेड एवं सह-संयोजिका बिन्दु नाहर ने मनोरंजक प्रतियोगिता का संयोजन किया। विभिन्न सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली। राठौड़ फ़ार्म हाउस के छगनलाल राजकुमार अरुणा राठौड़ परिवार का सम्मान किया गया।का जीतो की ओर से सम्मान किया गया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने धन्यवाद दिया।

संत दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के कामधेनु गौशाला ट्रस्ट की चेयरपर्सन शारदा चौधरी, अध्यक्ष पुष्पा बोहरा, उपाध्यक्ष ममता कोठारी, रेणु रांका, बसंता बोरुदिया, सुरेखा, नीलम भंडारी आनि ने उदयपुर में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंतश्री ललितप्रभजी, चंद्रप्रभुजी और डॉ शांतिप्रियसागरजी के दर्शन कर संस्था द्वारा की जा रहे जीवदया कार्यो की जानकारी दी। इस मौके पर संतों ने महिलाओं को मूकप्राणियों की निरंतर सेवा करने का आशीर्वाद दिया।

'जीतो' महिला साउथ विंग ने 'श्रीधान्य मिलेट' के प्रति जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन जीतो महिला साउथ विंग द्वारा टाउन हॉल में 'श्रीधान्य मिलेट' सम्बंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें मिलेट को नई पहचान दिलवाने वाले पद्मश्री व मिलेट मैन ऑफ इंडिया विजेता डॉ. खादर वल्ली मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। डॉ. खादर वल्ली ने बताया कि मिलेट उच्च पोषण मूल्य वाला मोटा अनाज है। मिलेट प्रोटीन, विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर होते हैं। अन्य अनाजों के मुकाबले में बाजरा इत्यादि को कम पानी और जमीन की उर्वरता की आवश्यकता होती है। मिलेट की खेती अविश्वसनीय रूप से टिकाऊ है। यह खाद्यान्न हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करके, बीमारियों को नियंत्रण में रखकर और वजन घटाने में सहायता करके हमारे शरीर को लाभ पहुंचाता है। मिलेट वजन, मधुमेह, हृदय संबंधी रोगों को घटाने में सहायक, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में, अस्थमा व पाचन को नियत्रित करते है। यह एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है। डॉ. खादर वली ने उन रोगग्रस्त रोगियों के अनुभव भी साझा किए, जो अपने नियमित आहार को मिलेट आहार में बदलकर विभिन्न जीवनशैली संबंधी बीमारियों से उबर चुके हैं। संयुक्त सचिव नीलम ललवानी ने खादर वल्ली का परिचय दिया।

इस मौके पर जेएलडब्ल्यू साउथ की चेयरपर्सन सुनीता गांधी ने सभी का स्वागत किया। मुख्य सचिव मोनिका पिरगल ने सभी प्रतिभागी को मेम्बरशिप के बारे में जानकारी दी। बेंगलूरु जीतो चेयरमैन दिनेश बोहरा ने महिला विंग के इस अनोखे कार्य की सराहना की। एपेक्स वाइस चेयरमैन राजेंद्र छाजेड ने साउथ एवं नॉर्थ द्वारा विभिन्न ज्ञानवर्धक कार्यक्रम के आयोजन करने पर शुभकामनाएं दी। एपेक्स के निदेशक नरेंद्रसिंह सामर व प्रवीण बाफना, युवा विंग के एपेक्स निदेशक विनोद जैन, एपेक्स सीएफई प्रोजेक्ट चेयरमैन हितेश पालरेचा,केकेजी जोन के अध्यक्ष अशोक सालेचा ने 'स्वस्थ रहने और भोजन सेवन की नियमित प्रथाओं को बदलने के महत्व' को साझा किया। जेएलडब्ल्यू एपेक्स मेंटर ललिता गुलेच्छा व स्वास्थ्य और पोषण राष्ट्रीय संयोजक निशा सामर व युवा अध्यक्ष पिंकेश जैन ने कार्यक्रम की सराहना की। मुख्य वक्ता डॉ वल्ली का सम्मान किया गया। इस मौके पर जीतो के मुख्य सचिव दीपक श्रीश्रीमल, नॉर्थ चेयरमैन इंदरचंद बोहरा सहित बेंगलूरु के दोनों चैप्टर व मैसूरु के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। संयोजिका अर्पिता लधानी एवं सह संयोजिका नीतू जैन ने धन्यवाद दिया।

बेंगलूरु में बेटे ने माता-पिता की हत्या की

बेंगलूरु। बेंगलूरु से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शहर के ब्यैटरायणपुरा इलाके में बेटे ने नशे की हालत में अपने माता-पिता की हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान पिता भास्कर और मां शांता के रूप में हुई है। भास्कर एक कैंटीन में काम करते थे। जबकि, शांता एक सेवानिवृत्त केंद्र सरकार कर्मचारी थी। रिपोर्ट के अनुसार, हत्या की वारदात के बाद आरोपी शरथ फरार हो गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, शरथ ने नशे की हालत में अपने माता-पिता पर लोहे की रॉड से हमला किया था। खून अधिक बहने की कारण उनकी मौत हो गई।

द्वेष और पाप का मूल कारण राग है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि द्वेष और पाप का मूल कारण राग है। राग को खत्म करने का सबसे सरल तरीका है पसंद को नापसंद करते चलो, हमारा राग कमजोर होते चला जाएगा। हम पाप से नहीं, पाप की सजा से डरते है, पाप की सजा से बचने के मार्ग ढूंढते है और पाप करते चलते है। पाप से डरना प्रारम्भ होते ही अपराध कभी टिक ही नहीं सकता। साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि जेब से अमीर रहो न रहो, कोई बात नहीं पर मन से जरूर अमीर रहना चाहिए, क्योंकि मंदिरों मे कलश भले ही सोने स्वर्ण के लगे हों पर हमें नतमस्तक उन पत्थर की सीढ़ियों पर ही होना होता है। मेघराज भंसाली ने बताया कि साध्वी की निश्रा में आराधना सुखपूर्वक चल रही है।

प्रभु की भक्ति ही हमारी आराधना की उपलब्धि है : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि हम बेइमान भक्तों की कमजोरी तो देखो, संसार के लिए फूल टाइम और प्रभु के लिए थोडा सा पवित्र टाइम भी नहीं। हम कहते है न कि कुछ पाने के लिए अथवा परिवर्तन के लिए उसने जीवन को समर्पित कर दिया लेकिन प्रभु को पाने के लिए प्रभुमय होने के लिए हमने कितना समर्पित किया, इस पर चिंतन करना होगा। प्रभु की भक्ति ही हमारी आराधना की उपलब्धि है। श्रद्धा के विषय को यदि अनुभव में लाना चाहते हो तन-मन-वचन का समर्पण करना पडेगा। यह श्रद्धा का विषय है कि दूध में घी विद्यमान है। यह विश्वास है पर घी का अनुभव नहीं होता। आत्मा से परमात्मा होने के लिए समर्पण की प्रक्रिया है। मन को प्रभु के गुणों में जोड़ो, तन को प्रभु की सेवा में जोड़ो और धन को प्रभु निर्दिष्ट कृत्यों में बोओ। तन से संसार छूटे वो त्याग, मन से संसार छूटे वो वैराग्य और धन से मूर्च्छा छूटे वो धन दान। साधना के बिना सिद्धि व्यर्थ है, वैसे भक्ति के बिना मुक्ति व्यर्थ हैं और समर्पण के बिना सब-कुछ व्यर्थ है। भाव-श्रद्धा और समर्पण ये मोक्ष मंजिल की सीढ़ियाँ है। समर्पण से आत्मा की शुद्धि है और शुद्धि से आत्मा की सिद्धि है। सची भक्ति वही जो मुक्ति की याद दिलाए और संसार को भूलाए। भगवान बनने के लिए सर्वस्व अर्पणजरूरी है्। जिस तरह संसार में आने के लिए माँ की जरूरत होती है, उसी तरह मोक्ष में जाने के लिए भक्ति और समर्पण कि जरूरत होती हैं।

आत्मा ही अजर और अमर है : साध्वी तत्वत्रयाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि शरीर हमें मिल जाएगा, आत्मा नहीं मिलेगी। हमने आज तक भौतिक साधनों का मूल्य जाना है आत्मा का मूल्य हमनें नहीं जाना। कितने ही इतने पदार्थ है उन्हें हम देख नहीं सकते है उनका आभास मात्र होता है उसी तरह आत्मा भी है लेकिन हम उसे मानते नहीं है। आत्मा ही अजर और अमर है। नित्य और चिदानन्दमय एक मात्र आत्मा है। उस आत्मा के स्वरूप की पहचान कर लो और स्वाभाविक आत्मसुख का अनुभव करें। आत्मस्वरूप की पहचान कर लो, जो अनित्य, क्षणिक है वैसे शरीर, यौवन, आयुष्य, वैषयिक सुख, स्वजन-संबंध, संपत्ति की पहचान कर लो, उसका ममत्व, आसक्ति, राग- मोह छूट गया अब ऐसे नित्य- शाश्वत् तत्त्व से ममत्व जोड़ना है कि जिससे भीतर में अपूर्व आनंदोत्सव घटित हो जायं। भीतर में देखने के लिए 'ध्यान' आना चाहिए्। जो ध्यान नहीं कर सकते वे अपने ही शरीर में रही हुई परमानन्दमय, निर्विकार, निरामय आत्मा को देख नहीं सकते। शरीर के भीतर ही देखना है, शरीर में व्याप्त होकर रही हुई आत्मा को देखना है ।

जिस प्रकार पाषाणों में सोना होता है, दूध में घी रहा हुआ है और तिल में तेल होता है, वैसे ही देह में आत्मा रही हुई है। जिस प्रकार लकड़ी में अग्नि शक्तिरूप से होती है वैसे यह आत्मा, स्वभाव से निर्मल, शरीर में रही हुई है।

कड़वे शब्द सुनकर नजरअंदाज करना भी एक तप : साध्वी प्रियकल्पलताश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में शिष्या प्रियकल्पलताश्री जी म. सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि असली तप हर परिस्थिति में मन की प्रसन्नता को बनाये रखना है। तप हमारी चेतना को निखारता है। कटु शब्द को सुनकर नजरअंदाज करना भी एक तप है। जो व्यक्ति धर्म की शरण में आता है वह शीघ्र भव पार हो जाता है। उन्होंने कहा कि भगवान के जीवन में किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं हुआ था। उनके पुण्य का अतिशय इतना प्रबल होता है कि उनका सब कुछ ठाठ बाट की तरह होता है। जिनके जीवन में किसी प्रकार का अभाव नहीं था फिर भी उन्होंने दीक्षा ली। भीतर से सबकुछ पाने के लिए उन्होंने दीक्षा ली। मनुष्य के जीवन में दु:ख का कारण उसके मन में आशा और तृष्णा के भाव हैं जो विकारों को जन्म देते हे्। उससे बचने के लिए विकारों को त्यागना होता है। आत्मशुद्धि का एक मात्र मार्ग तप है। आत्मा के भरोसे से जीने वाला भगवान बनता है। भगवान भाग्यवान थे। शक्ति के अनुरूप तप, त्याग करना है और आत्मा का उद्धार करना है। भगवान के मार्ग पर चलने वाला एक दिन भगवान बन जाता है। दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चौंसठ दिवसीय 125 से अधिक तपस्यार्थियों के जयतिहुअण तप चल रहा है।

'तपश्चर्या करने से कर्मों की निर्जरा होती है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी की निश्रा में 125 तपस्वियों ने विभिन्न तप में भाग लिया तथा सामूहिक पच्चखाण किया। मुनिश्री ने कहा कि

तपश्चर्या करने से कर्मों की निर्जरा होती है। शास्त्रों में 12 प्रकार के तप बतलाए है, 6 अभ्यंतर और 6 बाह्य। ऐसे अलग-अलग प्रकार के तप है। तप का महत्व समझाते हुए संतश्री ने कहा कि त यानी तत्क्षण, प यानी पाप जो हमारी आत्मा में पाप का आवरण छाया हुआ है ,उसको दूर करने का सरल उपाय है तप। तप द्वारा अपनी इन्दियों को वश में करना है। अहिंसा यानी हिंसा से मुक्त होना, संयम यानी हमारी वाणी में संयम, खाने में संयम। हमारी वाणी में संयम रहेगा तो हम सबके प्रिय बन जायेंगे, पर हमारी वाणी में संयम नहीं तो हम सब लोगों में और अपने परिवार में भी अप्रिय बन जाते हैं, इसलिए बोलने में ध्यान रखना चाहिए। मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि मंगलवार को महामंगलकारी संतिकर महातप में जुड़ने वाले सभी पुण्यशाली है ।

'आत्मनियंत्रण से ही अशुभ प्रवृत्तियों पर रोक संभव'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी ने धर्म बिंदु ग्रंथ और अमरकुमार सुरसुंदरी चरित्र का वाचन करते हुए कहा कि व्यक्ति शुभ प्रवृत्ति करते हुए अशुभ प्रवृत्ति करते हैं , धर्म स्थान में भी अशुभ प्रवृत्ति करते हैं, जो दुर्गति का कारण है। धर्म स्थान में भी अशुभ, गलत विचार आ जाते हैं। मंदिर में भीड़ देख कर अफसोस नहीं अपितु सोचना चाहिए कि मुझे ज्यादा वक़्त भक्ति करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है जो पुण्य बंध का कारण है। जीवन में अशुभ विचार आते रहेंगे, उन विचारों को रोकने के लिये ब्रेक लगायेंगे तो ही अशुभ प्रवृत्ति बंद होगी।

व्यक्ति को पाप की समझ आ जाये तो वह सचेत होकर सावधान हो जायेगा और पाप करने से बचेगा। अशुभ विचार हरदम आते रहते है, शुभ विचार मुश्किल से आते हैं। दु:ख को देखना श्वान वृत्ति है और दु:ख के मूल पाप को देखना सिंह वृत्ति है।

संबोधन

नई दिल्ली में मंगलवार को लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए।

मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के उच्च स्तरीय सत्र को कर सकते हैं संबोधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र द्वारा यहां जारी वक्ताओं की एक अनंतिम सूची के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के वार्षिक उच्च स्तरीय सत्र को संबोधित कर सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 78वें सत्र की उच्च स्तरीय आम चर्चा 19 सितंबर, 2023 को शुरू होगी, जिसमें ब्राजील सत्र का पारंपरिक रूप से पहला वक्ता होगा, उसके बाद अमेरिका होगा। महासभा के 78वें सत्र की उच्च स्तरीय आम चर्चा के लिए वक्ताओं की अनंतिम सूची के अनुसार भारत के 'शासनाध्यक्ष'' 22 सितंबर की दोपहर में सत्र को संबोधित करेंगे।

सूची अनंतिम है और अगले कुछ हफ्तों में कार्यक्रम और वक्ताओं में बदलाव की संभावना है। इस तरह सूची अद्यतन होती रहेगी। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में उच्च स्तरीय सत्र हर साल सितंबर में शुरू होता है, जिसे वर्ष का ''सबसे व्यस्त राजनयिक सत्र'' माना जाता है। इस साल महासभा का 78वां सत्र पांच सितंबर को शुरू होगा। उच्च-स्तरीय सत्र वाले सप्ताह के दौरान विभिन्न देशों के नेता अन्य प्रमुख कार्यक्रमों के अलावा सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) शिखर सम्मेलन, जलवायु महत्वाकांक्षा शिखर सम्मेलन और आम चर्चा के लिए जुटेंगे।

एसडीजी शिखर सम्मेलन 18-19 सितंबर को होगा। यह 2030 तक परिवर्तनकारी और त्वरित कार्यों पर उच्च स्तरीय राजनीतिक मार्गदर्शन के साथ सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में ठोस प्रगति के एक नए चरण की शुरुआत का प्रतीक होगा।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी का निधन

बेंगलुरु/तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री के तौर पर दो बार सेवाएं दे चुके कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओमन चांडी का मंगलवार तड़के बेंगलुरु में निधन हो गया। वह 79 वर्ष के थे। चांडी के पुत्र चांडी ओमन ने अपने फेसबुक पेज पर एक पोस्ट के जरिए अपने पिता के निधन की जानकारी दी। उन्होंने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, ''अप्पा का निधन हो गया।'' केरल सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री के सम्मान में मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश और दो दिवसीय शोक की घोषणा की है। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि ओमन चांडी कैंसर से पीड़ित थे और उनका एक निजी अस्पताल में तड़के चार बजकर 25 मिनट पर निधन हो गया। ओमन चांडी पिछले कुछ समय से बीमार थे और उपचार के लिए बेंगलुरु में ही रह रहे थे। वह दो बार केरल के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने इस पद पर सात साल तक (2004 से 2006 और फिर 2011 से 2016 तक) सेवाएं दीं। चांडी ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्रियों के. करूणाकरण और ए. के. एंटनी के नेतृत्व वाली सरकारों में श्रम, गृह और वित्त मंत्री के तौर पर भी काम किया था। उन्होंने केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में भी कार्य किया।

तमिलनाडु के मंत्री पोनमुडी ईडी के सामने पेश हुए

मुख्यमंत्री ने पोनमुडी से फोन पर की बात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के उच्च शिक्षा मंत्री के. पोनमुडी और उनके बेटे कथित अवैध रेत खनन से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के दूसरे दिन मंगलवार को यहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुए। केंद्रीय एजेंसी ने 17 जुलाई को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता एवं उनके सांसद बेटे गौतम सिगमणि के परिसरों पर लगभग 10 घंटे तक तलाशी ली थी। दोनों पूछताछ के लिए सोमवार को भी ईडी के समक्ष पेश हुए थे और मंगलवार तड़के ईडी कार्यालय से बाहर निकले थे। एजेंसी ने इन दोनों को पूछताछ के लिए दिन में एक बार फिर बुलाया था।

द्रमुक अध्यक्ष एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने मंत्रिमंडल के अपने सहयोगी से बात की और उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक 'प्रतिशोध' का मुकाबला करने में सत्तारूढ़ दल के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में यहां कहा गया है कि सत्तारूढ़ द्रमुक के अध्यक्ष स्टालिन ने पोनमुडी से फोन पर बात की और ईडी जांच का विवरण मांगा। इसके अनुसार, स्टालिन ने पोनमुडी से बहादुरी और कानूनी तरीके से इसका सामना करने को कहा।

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'मुख्यमंत्री ने पोनमुडी से कहा कि पार्टी (द्रमुक) केंद्र की भाजपा सरकार के राजनीतिक प्रतिशोध का विरोध करने के लिए नैतिक, राजनीतिक और कानूनी रूप से (उनका) समर्थन करेगी।' स्टालिन विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होने के लिए बेंगलूरु में हैं। इससे पहले, द्रमुक के प्रवक्ता एवं वकील ए. सरवनन ने दावा किया कि मंत्री ने केंद्रीय एजेंसी के साथ अच्छा 'सहयोग' किया और केवल एक बयान लेने के लिए 72 वर्षीय मंत्री से रातभर पूछताछ की आवश्यकता पर आश्चर्य जताया। उन्होंने कहा, अगर ईडी के अधिकारी बयान लेने के लिए 'उन्हें सुबह बुलाते, तो कुछ नहीं बिगड़ता।''

सोमवार को पोनमुडी और उनके बेटे के तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई और विल्लुपुरम स्थित परिसरों में छापेमारी की गई थी। सत्तारूढ़ द्रमुक ने इस कार्रवाई को 'राजनीतिक प्रतिशोध' करार दिया था। ईडी की कई टीम के साथ केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के सशस्त्र जवान छापेमारी अभियान में शामिल थे और उन्होंने कुछ दस्तावेज भी जब्त किये थे। पोनमुडी विल्लुपुरम जिले की तिरुक्कोयिलुर विधानसभा सीट से विधायक हैं, जबकि उनके 49 वर्षीय सांसद बेटे सिगमणि कल्लाकुरिची लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सरवनन ने यहां संवाददाताओं से कहा, जैसा कि दावा किया जा रहा है, मंत्री के पास से कोई बेहिसाब नकदी या कोई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त नहीं किए गए हैं। उन्होंने जानना चाहा कि क्या केंद्रीय एजेंसी ने जब्ती के संबंध में कोई प्रेस बयान जारी किया है। सरवनन ने कहा, किसी मामले के दर्ज होने के 13 साल बाद उसकी जांच करने का क्या औचित्य है। यह भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध के अलावा और कुछ नहीं है, क्योंकि पोनमुडी ने नयी शिक्षा नीति, कुलपतियों की नियुक्ति और अन्य प्रमुख मुद्दों पर राज्यपाल आर. एन. रवि को निशाने पर लिया था।''

भाजपा की तमिलनाडु इकाई के उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने दावा किया कि मंत्री को उनके सहयोगी वी. सेंथिल बालाजी की तरह गिरफ्तार नहीं किया गया, क्योंकि पोनमुडी ने जांच में सहयोग किया था।

ईडी ने पोनमुडी से 81.7 लाख रुपये नकद जब्त किए

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित आय से अधिक संपत्ति मामले से संबंधित जांच में मंत्री पोनमुडी से नकदी जब्त की है। ईडी ने जानकारी दी है कि, तलाशी के दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, 81.7 लाख रुपये की नकदी, लगभग 13 लाख रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा (ब्रिटिश पाउंड) जब्त की गई और 41.9 करोड़ रुपये की सावधि जमा को जब्त कर लिया गया है।

निरीक्षण

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष एम वेंकटेशन ने मंगलवार को डॉ एमजीआर चेन्नई सेंट्रल का निरीक्षण किया। एम. वेंकटेशन ने स्टेशन पर सफाई कर्मचारियों के साथ बातचीत की और वेतन, काम करने की स्थिति, बीमा के बारे में प्रतिक्रिया प्राप्त की। कार्यस्थल पर सुरक्षा और उन्हें प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं की जानकारी उन्होंने ली। अध्यक्ष ने दक्षिण रेलवे के महाप्रबंधक आरएन सिंह एवं अन्य प्रधान विभागाध्यक्षों के साथ सफ़ाई कर्मचारियों/ठेका मजदूरों के कल्याण से संबंधित मुद्दों पर भी चर्चा की। बाद में, एम. वेंकटेशन ने अखिल भारतीय रेलवे सफाई कर्मचारी संघ, अखिल भारतीय अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति रेलवे कर्मचारी संघ और अखिल भारतीय अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और रेलवे में तैनात संविदा कर्मचारियों और सफाई कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित मामलों पर चर्चा की।

मंत्री बालाजी की पत्नी ने उनकी गिरफ्तारी के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के आदेश को चुनौती दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी की पत्नी ने मद्रास उच्च न्यायालय के 14 जुलाई के आदेश को चुनौती देते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। उच्च न्यायालय ने धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा बालाजी की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। गिरफ्तारी को बरकरार रखने के अलावा उच्च न्यायालय ने राज्य के परिवहन विभाग में नौकरियों के बदले धन लेने से संबंधित मामले में एक सत्र अदालत द्वारा न्यायिक हिरासत में उनकी बाद की हिरासत को भी वैध माना था। यह मामला तब का है जब पूर्ववर्ती सरकार में बालाजी परिवहन मंत्री थे। बालाजी तमिलनाडु कैबिनेट में बिना विभाग के मंत्री पद पर बने हुए हैं।

द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रवक्ता सरवनन ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि सेंथिल बालाजी की पत्नी मेगाला ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है और उनकी याचिका सोमवार को दायर की गई। बालाजी की पत्नी की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई के लिए उच्च न्यायालय द्वारा न्यायमूर्ति सी वी कार्तिकेयन को तीसरे न्यायाधीश के रूप में नामित किया गया था। न्यायमूर्ति कार्तिकेयन खंडपीठ द्वारा दिए गए फैसले के बाद, न्यायमूर्ति डी भरत चक्रवर्ती के निष्कर्षों से सहमत हुए।

न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने बालाजी की गिरफ्तारी को बरकरार रखा था। तीसरे न्यायाधीश ने माना कि आरोपी को जांच को विफल करने का कोई अधिकार नहीं है। न्यायमूर्ति कार्तिकेयन ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया कि मामले को मुख्य न्यायाधीश एस वी गंगापुरवाला के समक्ष रखा जाए ताकि इसे उसी खंडपीठ के पास भेजा जा सके और वह तारीख निर्धारित की जा सके जब ईडी बालाजी को हिरासत में ले सकती है। बालाजी की पिछले दिनों कोरोनरी बाईपास सर्जरी हुई थी।

बालाजी को सोमवार को एक निजी अस्पताल से चेन्नई की पुझल केंद्रीय जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। उच्च न्यायालय में अपनी याचिका में मेगाला ने आरोप लगाया कि उनके पति ईडी की अवैध हिरासत में है और अनुरोध किया कि अधिकारियों को बालाजी को अदालत में पेश करने तथा उन्हें रिहा करने का निर्देश दिया जाए।

खंडित आदेश में, न्यायमूर्ति निशा बानू ने कहा कि ईडी के पास सेंथिल बालाजी को हिरासत में लेने की कोई शक्ति नहीं है। न्यायमूर्ति बानू ने आदेश में कहा कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका विचार योग्य है और बालाजी ने अस्पताल में इलाज के लिए जो समय बिताया, उसे उस रिमांड की अवधि से बाहर नहीं किया जा सकता है, जो सत्र अदालत ने ईडी को उनकी हिरासत में पूछताछ के लिए दी थी।

हालांकि, न्यायमूर्ति चक्रवर्ती ने फैसला सुनाया कि ईडी के पास बालाजी को हिरासत में लेने की शक्ति है और इलाज में बिताए गए दिनों को सत्र अदालत द्वारा दी गई हिरासत की अवधि से बाहर रखा जा सकता है।

कावेरी नदी का पानी नहीं देने पर 25 जुलाई को सड़कों पर उतरेंगे किसान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र के किसानों ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार कर्नाटक द्वारा राज्य को कावेरी नदी का पानी नहीं देने के विरोध में 25 जुलाई को सड़क नाकाबंदी का आह्वान किया है। तमिलनाडु किसान संघ के महासचिव सामी नटराजन ने कहा कि अगर छोड़े गए पानी की मात्रा पर्याप्त नहीं होगी तो 'कुरुवाई' नहीं होगी या अंतिम क्षेत्रों में बोई गई अल्पकालिक फसलें मुरझा जाएंगी। उन्होंने कहा कि कुरुवई फसल तभी टिकेगी जब कर्नाटक जून, जुलाई और अगस्त के महीनों में तमिलनाडु को 22.24 टीएमसीएफटी जल जारी करेगा।

उन्होंने कहा कि जून के महीने में 6.29 टीएमसीएफटी पानी की कमी थी और जुलाई के लिए कर्नाटक को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार अपने बांधों से 31.24 टीएमसीएफटी पानी छोड़ना बाकी है। नटराजन ने कहा कि डेल्टा जिलों के सभी तालुक और ब्लॉक मुख्यालयों पर सड़क नाकाबंदी प्रभावी होगी। किसान मेकेदातु में बांध बनाने के कर्नाटक के कदम के खिलाफ भी सामने आएंगे।

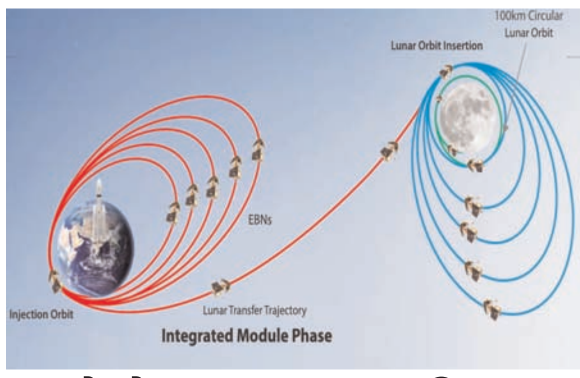

इसरो ने चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की कक्षा उन्नयन की तीसरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने मंगलवार को चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान के कक्षा उन्नयन की तीसरी प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया। यहां स्थित राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी मुख्यालय ने कहा कि उन्नयन की अगली प्रक्रिया को 20 जुलाई को अपराह्न दो से तीन बजे के बीच अंजाम दिए जाने की योजना है। एजेंसी ने कहा, तीसरी कक्षा उन्नयन प्रक्रिया आईएसटीआरएसी (इसरो टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमान नेटवर्क)/इसरो, बेंगलूरु से सफलतापूर्वक पूरी की गई। चंद्रमा के लिये चंद्रयान-तीन मिशन को 14 जुलाई को सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया गया था।

उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु को दिया

सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा पर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एसवी गंगापुरवाला ने मंगलवार को तमिलनाडु सरकार और रेलवे विभाग को सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए सुरक्षा उपायों पर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक स्वत: संज्ञान मामला मद्रास उच्च न्यायालय (एमएचसी) की पहली पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया गया है, जिसमें मुख्य न्यायाधीश एसवी गंगापुरवाला और न्यायमूर्ति पीडी औडिकेसवालु शामिल हैं।

राज्य की ओर से पेश सरकारी वकील ने कहा कि सरकार सभी सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे ठीक करने के लिए कार्रवाई कर रही है, लगभग 69 प्रतिशत स्थानों को कैमरों से कवर किया गया है। साथ ही, टैक्सियों, ऑटो और अन्य निजी परिवहनों में जीपीएस ट्रैकर ठीक करने के लिए कार्रवाई की गई है। सरकारी वकील ने स्थिति रिपोर्ट जमा करने के लिए और समय देने का अनुरोध किया।

इसे स्वीकार करते हुए, पीठ ने मामले को 11 अगस्त, 2023 को पोस्ट कर दिया। 24 जून, 2016 को नुंगमबक्कम रेलवे स्टेशन पर दिनदहाड़े एक आईटी पेशेवर स्वाति की भीषण हत्या के मद्देनजर, न्यायमूर्ति एन किरुबाकरन ने तत्कालीन प्रमुख को एक पत्र लिखा था।

जस्टिस किरुबाकरन ने सार्वजनिक स्थानों पर लोगों की सुरक्षा को लेकर कुछ गंभीर सवाल उठाए और इसे स्वत: संज्ञान याचिका के तौर पर लेने का अनुरोध किया। पत्र में कहा गया है कि इस जघन्य हत्या ने रेलवे स्टेशनों जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर पुलिस गश्त की कमी और सीसीटीवी कैमरों द्वारा निगरानी की कमी को उजागर किया है।

चेन्नई पुलिस ने 2 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिटी पुलिस की एंट्रस्टमेंट डॉक्यूमेंट फ्रॉड (ईडीएफ) विंग ने हाल के आपराधिक मामलों में 2 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की, जिसमें उन्होंने गिरफ्तारियां कीं। अधिकारियों के अनुसार, पुलिस ने 412 ग्राम सोने के गहने, 32 लाख रुपये नकद और कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जब्त किए। एक मामले में, पुलिस ने दो व्यक्तियों- ऑगस्टीन सिरिल और उसके दोस्त, रॉबर्ट क्रिस्टोफर को गिरफ्तार किया। ऑगस्टीन सिरिल एक निजी अकाउंटिंग और आईटी फर्म में कार्यरत था जिसने कई झूठे भुगतान अनुरोध बनाए और रुपये ठग लिए।

पुलिस जांच में पता चला कि जुलाई 2022 से फरवरी 2023 तक कंपनी के ग्राहकों से 5 करोड़ रुपये ठगे गए। पुलिस ने उसके दोस्त और साथी, रॉबर्ट क्रिस्टोफर को 10 जुलाई को गिरफ्तार किया और दो दिन बाद ऑगस्टीन को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 215 सोने के गहने, 7.6 लाख रुपये नकद, एक कार, एक दोपहिया वाहन, एक लैपटॉप और दो मोबाइल फोन बरामद किए। एक अन्य मामले में, शहर में एक दाल व्यापारी के लिए काम करने वाली दो महिला अकाउंटेंट को कंपनी के खातों से कुल 2.6 करोड़ रुपये की ठगी करने और पैसे को अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के खातों में स्थानांतरित करने के बाद गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने एम सरन्या (32) और आर प्रदीपा (36) दोनों को टोंडियारपेट से गिरफ्तार किया। मामला तब सामने आया जब कंपनी का मालिक बैंक गया और उसे अपने खातों में गड़बड़ी का पता चला। उस व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके आधार पर जांच शुरू हुई। पुलिस ने उनके पास से 197 ग्राम सोने के गहने, 27.50 लाख रुपये नकद और तीन मोबाइल फोन बरामद किए।

मा सुब्रमण्यम ने स्कूली छात्रों को मुफ्त साइकिल वितरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्वास्थ्य मंत्री मा सुब्रमण्यम ने मंगलवार को कोडंबक्कम क्षेत्र के सैदापेट चेन्नई गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्रों को मुफ्त साइकिलें वितरित कीं। मंत्री ने छात्रों से बातचीत की और उनसे पूछा कि मंगलवार को कौन सा विशेष दिन था और कुछ छात्रों ने इसका सही उत्तर दिया कि 18 जुलाई को तमिलनाडु दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मंत्री ने कहा कि सही उत्तर देने वाले छह छात्रों को सैदापेट विधानसभा क्षेत्र के सदस्य की ओर से किसी भी विशेषज्ञता में प्रथम वर्ष की ट्यूशन फीस दी जाएगी। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के तहत 35 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कुल 31,507 छात्र पढ़ रहे हैं, जिनमें से 5,188 छात्र शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 में 11वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और उन्हें साइकिल दी जाएगी। चेन्नई गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल के कुल 291 छात्रों को साइकिलें दी गईं और चेन्नई बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल के 241 छात्रों को साइकिलें दी गईं। पश्चिम माम्बलम में चेन्नई हाई स्कूल के कम से कम 75 छात्रों को भी साइकिलें दी गईं। मंत्री ने कहा कि ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन प्रशासन चेन्नई के स्कूलों में शिक्षा का स्तर बढ़ाने की दिशा में काम कर रहा है। निगम शिक्षा विभाग की संरचना और स्कूलों में स्थापित नई सुविधाओं के कारण निगम की 10वीं और 12वीं कक्षाओं का उत्तीर्ण प्रतिशत 90 प्रतिशत तक बढ़ गया है।

पलानीस्वामी के खिलाफ द्रमुक नेता की अर्जी पर अदालत ने कहा- फिर से जांच की जरूरत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी के खिलाफ द्रमुक नेता आर एस भारती की वह अर्जी खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) नीत पिछली सरकार के दौरान राजमार्ग से संबंधित करोड़ों रुपये की निविदा में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। अदालत ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के संगठन सचिव भारती को मामले की जांच करने के लिए सतर्कता विभाग को निर्देश देने के अनुरोध वाली अपनी अर्जी वापस लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया।

न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने भारती द्वारा दायर अर्जी को खारिज करते हुए कहा कि नए सिरे से प्रारंभिक जांच का कोई कारण नहीं है, जैसा कि 2021 में तमिलनाडु में सत्ता परिवर्तन के बाद राज्य सरकार ने आदेश दिया था। मूल रूप से, भारती की अर्जी पर उच्च न्यायालय ने 2018 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को मामले की जांच करने का आदेश दिया था। लेकिन, राज्य सरकार द्वारा दायर एक याचिका पर उच्चतम न्यायालय ने मामले को नए सिरे से सुनवाई करने के लिए उच्च न्यायालय के पास वापस भेज दिया।

उच्च न्यायालय ने जब याचिका पर सुनवाई शुरू की तो राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि मामले में नये सिरे से जांच करायी जायेगी। इसके बाद भारती अपनी अर्जी वापस लेना चाहते थे। अपने आदेश में न्यायाधीश ने कहा कि विचार करने योग्य महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि नए सिरे से प्रारंभिक जांच का आदेश देने के लिए क्यों मजबूर होना पड़ा। जांच रिपोर्ट 28 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत की गई थी। इसे सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) ने स्वीकार कर लिया था और यही कारण है कि भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष अपील दायर की थी, जिसमें इस अदालत द्वारा पूर्व में पारित आदेश को चुनौती दी गई थी।

न्यायाधीश ने कहा कि इस अवधि के दौरान एकमात्र घटनाक्रम यह हुआ कि सत्ता परिवर्तन हुआ और द्रमुक ने विधानसभा चुनाव जीता और सात मई, 2021 को सरकार बनाई।

न्यायाधीश ने कहा, इसके अलावा, एक और प्रारंभिक जांच नए सिरे से कराने का कोई कारण नहीं है जैसा कि सरकार ने आदेश दिया था। इस न्यायालय के सुविचारित मत में ऐसा निर्देश केवल सत्ता में आये राजनीतिक दल के परिवर्तन के कारण दिया गया है।

भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति ने नौका सेवाओं की बहाली के लिए वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच द्विपक्षीय संपर्क मजबूत करने के मकसद से स्थापित एक संयुक्त आयोग ने क्षेत्रीय व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा देने तथा लोगों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच नौका सेवाएं बहाल करने पर 'सार्थक वार्ता' की है। समुद्र के रास्ते यात्रियों के आवागमन संबंधी समझौता पत्र (एमओयू) के तहत स्थापित भारत-श्रीलंका संयुक्त समिति ने पिछले सप्ताह डिजिटल माध्यम से एक बैठक की। यहां भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, सार्थक बातचीत में दोनों देशों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत बिंदुओं को जोड़ने वाली नौका सेवाओं को बहाल करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इसमें बताया गया कि दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि नौका सेवाओं की बहाली से क्षेत्रीय व्यापार एवं पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और लोगों से बीच आपसी संबंध मजबूत होंगे।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे इस सप्ताह के अंत में भारत की यात्रा करने वाले हैं। इस बैठक में भारत का नेतृत्व बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव राजेश कुमार सिन्हा और श्रीलंका का नेतृत्व श्रीलंकाई सरकार के बंदरगाह, जहाजरानी और विमानन मंत्रालय के सचिव के डी एस रुवनचंद्रा ने किया। बयान में बताया गया कि संयुक्त समिति ने निकट भविष्य में नौका सेवाओं के संचालन के मकसद से आपसी सहयोग के लिए कई क्षेत्रों की पहचान की और आपसी समझ के आधार पर आगे कदम उठाने की इच्छा जताई।

भारत और श्रीलंका सरकार ने समुद्री मार्ग से यात्री परिवहन पर द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन के प्रावधानों के अनुसार संयुक्त समिति का हाल में पुनर्गठन किया था। इस समझौता पत्र पर 2011 में हस्ताक्षर किए गए थे। नौका सेवाएं 80 के दशक में निलंबित कर दी गई थीं। दोनों देशों के बीच नौका सेवा अप्रैल में शुरू होनी थी, लेकिन भारत ने नौका सेवा के लिए चुने गए बंदरगाह को बदल दिया, जिसके कारण इसमें विलंब हो गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

प्रदर्शन

अजमेर में मंगलवार को गहलोत सरकार द्वारा युवाओं से वादाखिलाफी और पेपर लीक के खिलाफ भाजपा युवा मोर्चा द्वारा अजमेर में युवा आक्रोश महाघेराव किया गया। जिसमें भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी एवं युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने भी हिस्सा लिया।

राजस्थान ओलंपिक खेलों के लिए 56 लाख लोगों ने पंजीकरण करवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन पांच अगस्त से होगा और इसके लिए लगभग 56 लाख लोगों ने पंजीकरण करवाया है। राज्य की मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सोमवार को एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि इन खेलों के आयोजन से संबंधित सभी तैयारियां तय समय पर पूरी की जाएं।

एक बयान के अनुसार बैठक में खेल विभाग के शासन सचिव नरेश ठकराल ने बताया कि ग्रामीण एवं शहरी ओलंपिक खेलों का आयोजन पांच अगस्त से लेकर 18 सितंबर तक किया जाएगा जिसमें कबड्डी, टेनिस-बॉल क्रिकेट, बास्केटबॉल, रस्साकशी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, शूटिंग बॉल, एथलेटिक्स इत्यादि खेल सम्मिलित किए गए हैं तथा इसमें कुल पंजीकृत खिलाड़ियों की संख्या लगभग 56 लाख है। मुख्य सचिव शर्मा ने निर्देश दिए कि स्थानीय स्तर पर इस आयोजन का पर्याप्त प्रचार- प्रसार किया जाए और बेहतर कार्यान्वयन के लिए कार्ययोजना बनाकर प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाए।

विधानसभा में उठा किसानों के कर्ज माफी का मुद्दा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों ने किसानों का कर्ज माफी का मुद्दा उठाया। शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के तहत उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनिया ने इस मुद्दे पर बोलते हुए कहा कि पांच पहले किसानों से कर्जमाफी का वादा करने के बाद भी आज तक किसानों की कर्जमाफी नहीं की गई। उन्होंने कहा कि इसलिए वर्ष 2019 में किसान सोहन लाल ने आत्महत्या कर ली और आत्महत्या करने से पहले अपना एक वीडियो बनाया कि वह राज्य सरकार की वादा खिलाफी से तंग आकर आत्महत्या कर रहा है।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा अन्य कई किसानों के भी आत्महत्या कर लेने के मामले सामने आये। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 60 लाख किसान एक लाख करोड़ का कर्ज माफ का आज भी इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्ज नहीं चुकाने पर किसानों की जमीनें नीलाम हो रही और सरकार ने भी यह बात स्वीकार की हैं। इसी तरह विधायक धर्मनारायण जोशी, अविनाश महर्षि, फूल सिंह मीणा एवं चंद्रकांता मेघवाल ने भी कर्ज माफी के मुद्दे को उठाया।

पति ने पत्नी की हत्या की

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शास्त्री नगर थाना प्रभारी दिलीप सिंह ने बताया कि सोमवार की देर रात कानाराम का अपनी पत्नी ममता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था।

उन्होंने बताया कि इसी दौरान कानाराम ने ममता पर एक पेचकस (औजार) से हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी ही अपनी पत्नी को नजदीकी अस्पताल ले गया।

भाजपा एवं रालोपा ने किया सदन से बहिर्गमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।राजस्थान की पन्द्रहवीं विधानसभा के फिर से शुरु हुए अष्टम सत्र के मंगलवार को तीसरे दिन भी हंगामा हुआ और विपक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के सदस्यों ने अलग अलग मुद्दों को लेकर सदन का बहिर्गमन किया। शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव के तहत कर्ज माफी के मुद्दे को लेकर जब उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनियां बोल रहे थे कि इस दौरान निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा उठकर बोलने लगे। इस पर विपक्ष के सभी सदस्य खड़े हो गए और जोरजोर से बोलने लगे और सदन के वेल आ गए और नारेबाजी शुरु कर दी।

इससे सदन में शोरशराबा हुआ। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी ने नारेबाजी कर रहे विधायकों से अपनी जगह पर जाने के लिए कहा लेकिन वे नहीं माने और उनका प्रदर्शन जारी रहा। करीब चार मिनट नारेबाजी के बाद 12 बजकर 28 मिनट पर विपक्ष के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए।

इससे पहले इसी मुद्दे पर जब विधायक धर्मनारायण जोशी जब बोल रहे थे, इस बीच रालोपा के विधायक नारायण बेनीवाल खड़े होकर बजरी का मुद्दा उठाने के लिए बोलने लगे इस पर डा जोशी ने उन्हें टोका और इसकी अनुमति नहीं दी। अध्यक्ष ने कहा कि जब बिल पर चर्चा होगी उस दौरान उन्हें बोलना का पूरा मौका दिया जायेगा अभी अपनी जगह पर बैठे लेकिन बेनीवाल नहीं माने और वह अपने दो रालोपा विधायक पुखराजग गर्ग एवं इंदिरा के साथ हाथ में बजरी की दरे कम करो लिखी तख्तियां लेकर सदन के वेल में आ गए।

इस पर डा जोशी ने कहा कि वे नियम विरुद्ध नहीं चले और अपनी जगह पर चले जाये, नहीं तो उन्हें सदन से बाहर निकालने की कार्यवाही करनी पड़ेगी। इसके बावजूद भी नहीं मानने पर अध्यक्ष ने रालोपा के नेता गर्ग से कहा कि वह अपने विधायकों को अपनी जगह पर लेकर जाये। उन्होंने कहा कि वह गलत परंपरा की अनुमति नहीं देंगे। इसके बाद रालोपा के तीनों विधायक सदन का बहिर्गमन कर गए।

रावत ने अग्निशमन वाहनों को हरी झंडी दिखाकर औद्योगिक क्षेत्रों के लिए किया रवाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री शकुन्तला रावत ने मंगलवार को जयपुर से तीन अग्निशमन वाहनों को घीलोठ, नीमराणा (माजराकाठ) एवं बीकानेर (रानी बाजार) औद्योगिक क्षेत्रों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर रीको प्रबंध निदेशक सुधीर कुमार शर्मा, रीको अधिशाषी निदेशक, डॉ. अरूण गर्ग एवं रीको के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। इस अवसर पर श्रीमती रावत ने बताया कि राज्य सरकार औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित इकाईयों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। इन अग्निशमन वाहनों की तैनाती से औद्योगिक क्षेत्रों एवं आसपास के आबादी क्षेत्रों में आगजनी की घटनाओं का नियंत्रण एवं रोकथाम किया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि राजस्थान देश में औद्योगिक विकास में अग्रणी राज्य है एवं राज्य की रिप्स-2022 देश की सबसे बेहतरीन इन्वेस्ट प्रमोशन स्कीम है जिससे राज्य में निवेशकों का रूझान बढ़ता जा रहा है। राज्य की वन-स्टॉप शॉप से निवेशकों को एक की छत के नीचे सभी तरह की स्वीकृति अनुमतियां दी जा रही है जिससे निवेशकों को काफी सहूलियत हो रही है। उन्होंने बताया कि इनवेस्ट राजस्थान के दौरान किए गए एमओयू एवं एलओआई में से करीब 51 प्रतिशत धरातल पर आ गए है जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।

शर्मा ने बताया कि अभी तक रीको ने 42 अग्निशमन वाहन औद्योगिक क्षेत्रों में तैनात कर रखे हैं अब इनकी संख्या 45 हो जाएगी इसके अलावा तीन और अग्निशमन वाहन आगामी अगस्त में प्राप्त होगें। इनके अतिरिक्त छह और अग्निशमन वाहन खरीदने की निविदा प्रक्रियाधीन है।

जेजेएम परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

परियोजनाओं में बहुत कम प्रगति वाली फर्मों को नहीं मिलेंगे नए प्रोजेक्ट्स : अग्रवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जल जीवन मिशन के तहत पेयजल परियोजनाओं पर कार्यरत ऐसी कॉन्ट्रेक्टर फर्मों जिनकी प्रो-राटा प्रोग्रेस काफी कम है और प्रोजेक्ट अवधि पूरी होने के बाद भी अभी तक आधा काम भी पूरा नहीं किया है, उन्हें रेड लिस्ट कर जलदाय विभाग की आगामी परियोजनाओं में शामिल होने से डिबार किया जाएगा। प्रोजेक्टस में देरी के ठोस एवं उचित कारण होने पर फर्मों को और मौका दिया जाएगा लेकिन जिन फर्मों ने बिना किन्ही ठोस कारणों के लापरवाहीपूर्वक देरी की है उन फर्मों को नए प्रोजेक्टस नहीं मिलेंगे। अच्छी प्रोग्रेस दिखाते हुए रेड लिस्ट से बाहर आने पर ही इन फर्मों को प्रोजेक्टस मिल सकेंगे।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी डॉ. सुबोध अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को जल भवन में हुई जेजेएम परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक में उन्होंने 50 प्रतिशत से कम प्रो-राटा प्रोग्रेस वाली परियोजनाओं में फर्मों द्वारा विभिन्न स्पान में की गई भौतिक प्रगति एवं लक्ष्य के मुकाबले किए गए खर्च की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अभियंताओं को प्रोजेक्टस की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी भिजवाने के निर्देश दिए। बैठक में शामिल कॉन्ट्रेक्टर फर्मों के प्रतिनिधियों से प्रोजेक्टस पूरे होने में देरी के कारण पूछे और उन्हें परियोजनाओं की प्रगति को लेकर गंभीरता दिखाने के निर्देश दिए। एसीएस पीएचईडी ने लघु पेयजल परियोजनाओं की लक्ष्य के मुकाबले प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। डॉ. अग्रवाल ने सबसे कम प्रगति वाली फर्मों के प्रतिनिधियों से काम समय पर नहीं करने की वजह पूछी और विभिन्न स्पान पूरे करने में फर्मों द्वारा लिए गए समय के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि छोटे-छोटे प्रोजेक्टस समय पर पूरे नहीं होने से लोगों को जल कनेक्शन नहीं मिल पा रहे हैं। इन फर्मों ने ओटीएमपी के तहत उच्च जलाशय बनाने एवं पाइप लाइन डालने जैसे कार्यों में देरी की है जिससे एफएचटीसी की गति धीमी है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि विभाग की ओर से बजट की कोई कमी नहीं है।

आशीर्वाद

अलवर में मंगलवार को आयोजित शिव महापुराण कथा समापन में सम्मिलित होकर प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से आशीर्वाद लेती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

वृक्षों के आवरण में वृद्धि, प्रदूषण नियंत्रण की ओर एक महत्वपूर्ण कदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में ट्री ऑउटसाइड फारेस्ट इन राजस्थान के तहत वन क्षेत्रों के बाहर वृक्षारोपण के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने एवं स्वच्छ व प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की ओर महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के अध्यक्ष शिखर अग्रवाल ने बताया कि योजना के तहत अब तक 50 लाख से अधिक पौधों का वितरण किया जा चुका है एवं पारम्परिक वनों के बाहर राज्य के समस्त ज़िलों के वृहद स्तर पर पौधों के वितरण एवं रोपण का कार्य किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बजट 2023-24 के अंतर्गत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा टीओएफआर योजना की घोषणा की गयी थी। शिखर अग्रवाल ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में टीओएफआर योजना के तहत विभिन्न विभागों, संस्थाओं एवं नागरिकों के सहयोग से वृहद स्तर पर पौधरोपण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य में प्रदूषण नियंत्रण करने में अहम भूमिका अदा करने के साथ बेहतर पर्यावरण एवं आमजन को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक करने में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि योजना के तहत वन क्षेत्र के बाहर गोचर,ओरण,चारागाह,एवं विभिन्न शहरी क्षेत्रों के साथ आमजन अपने घरों एवं खेतों पर पौधरोपण कर सकते है । टीओएफआर योजना के तहत विभागों,संस्थाओं इत्यादि द्वारा बड़ी संख्या में पौधे लेने के लिए रुझान को देखते हुए रियायती दरों पर राज्य सरकार द्वारा पौधे उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया। जिसके तहत यदि 50 हजार से अधिक एवं 2 लाख तक पौधे लिए जाते है, तो पौधों के लिए नियत दर का 50 प्रतिशत डिस्काउंट एवं 2 लाख से अधिक पौधे लेने पर नियत दर का 75 प्रतिशत डिस्काउंट दिया जा रहा है।

भ्रूण लिंग परीक्षण के आरोप में महिला दलाल गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य पीसीपीएनडीटी प्रकोष्ठ ने विगत एक माह में लगातार तीसरी सफल डिकॉय कार्योवाही को अंजाम देते हुए मंगलवार को गुजरात के हिम्मतनगर कस्बे में स्थित यशदीप अस्पताल में इंटरस्टेट कार्यवाही कर भ्रूण लिंग परीक्षण करने के आरोप में महिला दलाल शांता देवी, उम्र 48, निवासी उदयपुर को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही भ्रूण लिंग जांच की एवज में लिये गये हू-ब-हू नम्बरी नोट राशि 10 हजार रुपए एवं सोनोग्राफी मशीन भी जब्त कर ली है। भ्रूण लिंग परीक्षण करने वाले चिकित्सक महेन्द्र कुमार (संचालक, यशदीप अस्पताल) एवं अन्य सहायक चिकित्सक दीपक कुमार पटेल, निवासी हिम्मन नगर गुजरात अचानक कार्यवाही से घबराकर तबीयत खराब होने पर एक निजी अस्पताल में जैर ईलाज हैं। दोनों आरोपियों की निगरानी के लिए सुरक्षाकर्मी तैनात कर दिये गए हैं। अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शुभ्रा सिंह ने बताया की मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि राजस्थान-गुजरात सीमावर्ती क्षेत्रों में भ्रूण लिंग परीक्षण करने वाले गिरोह सक्रिय हैं।

सूचना के पुष्टिकरण के बाद अध्यक्ष राज्य समुचित प्राधिकारी पीसीपीएनडी मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के सुपरविजन में डिकॉय दल का गठन किया गया।

उन्होंने बताया कि मुखबिर ने पहले दलाल महिला से सम्पर्क किया। भ्रूण लिंग परीक्षण के एवज में 40 हजार रुपए की मांग की थी। महिला दलाल शांता देवी ने दलाल ने उदयपुर के बलीचा चौराहे पर मंगलवार प्रातः 9.00 बजे बुलाया।

युवक ने फावड़े से वार करके महिला की हत्या की

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के गंगानगर जिले के पदमपुर थाना क्षेत्र में खेत में काम कर रही एक महिला की उसके देवर ने फावड़े से वार करके हत्या कर दी। पुलिस अधिकारी सोनू चौधरी ने बताया कि 43 आरबी गांव में मनरेगा के तहत खेत में काम रही सरोज (28) पर उसके देवर नैनाराम (25) ने फावड़े से वार कर दिया। उन्होंने बताया कि हमले से गंभीर घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मतदाताओं को जागरूक करने में जुटा जिला प्रशासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए जयपुर जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने के लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। जिला मुख्यालय से तहसील एवं पंचायत समिति मुख्यालय तक ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का प्रदर्शन किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नियमित कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं।

इस कार्यक्रम के तहत ईवीएम डेमोंसट्रेशन सेंटर पर मशीन का प्रदर्शित करने के साथ ही आम नागरिकों को ईवीएम में मॉक पोल का मौका दिया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में राजग बिहार की सभी 40 सीट जीतेगा : चिराग पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी अपनी 'चिंताओं' पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सकारात्मक चर्चा के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई है। उन्होंने दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनावों में राजग बिहार में सभी 40 सीटें जीतेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित पार्टी के अन्य नेताओं के साथ अपनी बातचीत का ब्योरा साझा करने से इनकार करते हुए पासवान ने कहा कि उन्होंने उनकी चिंताओं का सकारात्मक समाधान

किया है। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चिराग पासवान ने यह स्पष्ट किया कि वह हाजीपुर से चुनाव लड़ेंगे। वर्तमान में उनके चाचा और केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस इस संसदीय सीट का लोकसभा में प्रतिनिधित्व करते हैं। पारस ने भी इस सीट पर अपना दावा किया है।

चिराग पासवान का यह कहना कि भाजपा उनकी चिंताओं का समाधान कर रही है, महत्वपूर्ण है क्योंकि उनकी मुख्य मांग यह थी कि सत्तारूढ़ पार्टी 2019 की तरह ही सीट के बंटवारे की व्यवस्था पर कायम रहे जब उनके दिवंगत पिता रामविलास पासवान के नेतृत्व में अविभाजित लोजपा ने छह लोकसभा क्षेत्रों पर चुनाव लड़ा था और उन्हें राज्यसभा की एक सीट भी दी गई थी। उन्होंने कहा, ''भाजपा नेताओं के साथ अपनी चर्चा के ब्यौरे के बारे में बोलना मेरे लिए गठबंधन धर्म के खिलाफ होगा। लेकिन हां, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बारे में मेरी पार्टी की चिंताएं विचार-विमर्श का हिस्सा थीं और भाजपा ने उनका सकारात्मक रूप से समाधान किया है।''

पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा नीत राजग का हिस्सा होगी।

विकास दुबे के सहयोगी को पांच साल की सजा

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर देहात जिले की एक विशेष अदालत ने तीन साल पहले मुठभेड़ में मारे गए गैंगस्टर विकास दुबे के सहयोगी श्यामू बाजपेयी को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बिकरू कांड के छह दिन बाद बाजपेयी को गिरफ्तारी के दौरान पुलिसकर्मियों पर गोलीबारी करने का दोषी ठहराया गया। उन्होंने बताया कि श्यामू बाजपेयी के खिलाफ कानपुर के चौबेपुर थानाक्षेत्र में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के मुताबिक श्यामू बाजपेयी बिकरू कांड में घात लगाकर किए गए हमले में इस्तेमाल किए गए हथियारों को छुपाने का मुख्य आरोपी था। अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) लाखन सिंह यादव ने बताया कि अपर जिला व सत्र न्यायाधीश अमित मालवीय ने सोमवार को बाजपेयी पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

बीमारू राज्य की श्रेणी से निकलकर सक्षम प्रदेश बनने की राह पर है उत्तर प्रदेश : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि राज्य बदल गया है और अब वह बीमारू राज्य की श्रेणी से बाहर निकल कर 'सक्षम' राज्य बनने की राह पर है।

मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम में 1,573 एएनएम स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को नियुक्तिपत्र वितरण करने के बाद अपने संबोधन में कहा, अपेक्षित विकास के अभाव में कई प्रदेश आज भी बीमारू राज्य का 'टैग' लेकर चल रहे हैं, जबकि उत्तर प्रदेश इससे बाहर निकल चुका है और सक्षम राज्य बनने की राह पर है। नीति आयोग के आंकड़े इसका सुबूत हैं।' आदित्यनाथ की

टिप्पणियाँ नीति आयोग द्वारा सोमवार को जारी उस रिपोर्ट के मद्देनजर महत्वपूर्ण हैं जिसमें कहा गया है कि भारत में 2015-16 और 2019-21 के बीच 13.5 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर निकले हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और ओडिशा में गरीबी के स्तर में सबसे तेज गिरावट आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2015-16 में उत्तर प्रदेश में लगभग छह करोड़ लोग (प्रदेश की आबादी का 37.68 प्रतिशत) गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते थे। उन्होंने कहा, ''हमारे प्रयासों से 2019-20 में गरीबी रेखा से नीचे के लोगों का प्रतिशत 37.68 प्रतिशत से घटकर 22 प्रतिशत हो गया। वर्तमान में यह सभी को आश्चर्यचकित करते हुए यह 12 प्रतिशत पर है। आदित्यनाथ ने यह भी कहा, 'हमने उन जिलों की पहचान की जो विकास की दौड़ में पिछड़ गए थे। इनमें बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, बदायूं, सीतापुर, सिद्धार्थनगर, संभल, खीरी, हरदोई और बांदा जिले शामिल हैं। ये सभी आकांक्षी जिले थे। फिर हमने 100 आकांक्षी ब्लॉकों का चयन किया और उन्हें विकसित करना शुरू किया। राज्य की पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकार के शासनकाल में राज्य के युवाओं को पहचान के संकट का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा, जब भी सरकारी रिक्तियों की घोषणा की जाती थी, चाचा-भतीजे की जोड़ी लोगों से धन इकट्ठा करने के लिए निकल जाती थी।

पीड़ितों का सब कुछ बहा ले गई दिल्ली में आई बाढ़, अब जरूरतों के लिए कर रहे जद्दोजहद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में आई विनाशकारी बाढ़ से भले ही पीड़ित लोगों की जिंदगी बच गई है लेकिन अब उन्हें यहीं जिंदगी चलाने के लिए जद्दोजहद करनी पड़ रही है। बाढ़ पीड़ितों के सामने अपने आशियाने को फिर से बनाने और सामान्य जीवन की शुरुआत करने की सबसे बड़ी चुनौती है।

ऐसे ही बाढ़ पीड़ितों में अरुणा देवी (35) भी हैं जो यमुना खादर इलाके में रहती थीं। उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह उफनती नदी का पानी तेज प्रवाह के साथ उस ढांचे में दाखिल हुआ जिसे वह अपना घर कहती थीं और मकान के साथ-

साथ बच्चों की किताबें भी बहाकर ले गया। बाढ़ का पानी आने पर परिवार को एक राहत शिविर में ले जाया गया अब पानी कम होने पर वह वापस लौटने की तैयारी कर रही है। उनके सामने तात्कालिक चुनौती यह है कि परिवार का एक सदस्य बीमार हो गया है लेकिन उनकी दीर्घकालिक चुनौतियां कहीं अधिक गंभीर है।

खेतों में काम करने वाली अरुणा बताती हैं, '' मुझे अपने बच्चों की पढ़ाई की चिंता है। उनकी किताबें और घर की आवश्यक वस्तुएं बाढ़ के पानी में समा गई हैं। कब मुझे वापस अपने घर जाने की अनुमति मिलेगी इसको लेकर पुलिस कुछ नहीं बता रही। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूं।'' बाढ़ के विनाशकारी प्रभाव की वजह से दिल्ली में 26,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रमुख स्थलों, सड़कों, स्मारकों और आवासीय क्षेत्रों में पानी भर गया था और इससे संपत्ति, कारोबार और कमाई का अनुमानित नुकसान करोड़ों में होने की आशंका है। तीन बच्चों के पालन-पोषण की अकेले जिम्मेदारी संभाल रहे वरुण नंदन (40 वर्ष) का सारा सामान बाढ़ के पानी में बह गया है और अब उन्हें अपने बच्चों की पढ़ाई की चिंता खाए जा रही है।

सरकार ने शहर में कई राहत शिविर स्थापित किए हैं जहां प्रभावित इलाकों से बचाए गए लोगों को रखा जा रहा है। ऐसे ही एक राहत शिविर में रह रही सुनीता का कहना है कि उन्हें जो भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है वह उनके बच्चों के लिए पर्याप्त नहीं है।

केदारनाथ के पास फाटा में बाढ़ में होटल बहा, दो युवकों को बचाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड)/भाषा। ऋषिकेशकेदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर केदारनाथ के पास फाटा में भारी बारिश के कारण अचानक आयी बाढ़ में एक होटल बह गया जबकि उसमें मौजूद दो युवकों को किसी तरह बचा लिया गया। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

अधिकारियों ने बताया कि युवकों को बचाने गए चार पुलिसकर्मी भी घायल हो गए।

रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, सुबह केदारनाथ के पास फाटा और तरसाली गांव के बीच भारी बारिश के कारण आई बाढ़ के साथ 'केदार वाटिका' नाम का

होटल बह गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान आयी बाढ़ में पानी के साथ भारी मलबा भी था।

रुद्रप्रयाग के पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इसी दौरान भूस्खलन के कारण बंद रहने के बाद तरसाली में खुले मार्ग पर वाहनों को निकलवाने में व्यस्त कुछ दूरी पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने यह हादसा देखा तो घटनास्थल की ओर भागे। उन्होंने मलबे में खोजबीन की और एक व्यक्ति को उसमें से बाहर निकाला। कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार उक्त व्यक्ति से मिली जानकारी के आधार पर उसके एक और साथी को भी मलबे में खोजने का अभियान शुरू किया गया।

सात्विक ने सबसे तेज बैडमिंटन 'हिट' का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोका (जापान)/भाषा। भारत के स्टार खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने 565 किमी प्रति घंटा की रफ्तार के स्मैश के साथ बैडमिंटन में किसी पुरुष खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज 'हिट' का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया है। हाल में चिराग शेट्टी के साथ मिलकर इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतने वाले सात्विक ने इसके साथ ही मई 2013 में बनाए मलेशिया के टेन बून हियोंग के 493 किमी प्रति घंटे के एक दशक से भी पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

सात्विक का स्मैश किसी फॉर्मूला वन कार द्वारा हासिल की गई 372.6 किमी प्रति घंटे की सबसे तेज रफ्तार से भी अधिक तेज था।

महिला वर्ग में सबसे तेज बैडमिंटन 'हिट' का रिकॉर्ड मलेशिया की टेन पियर्ली के नाम रहा जिन्होंने 438 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से शॉट लगाया था।

जापान की खेल उपकरण निर्माता कंपनी योनेक्स ने विज्ञप्ति में कहा, ''योनेक्स को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि योनेक्स बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी (भारत) और टेन पियर्ली (मलेशिया) ने क्रमश: सबसे तेज पुरुष और महिला बैडमिंटन हिट के साथ नया गिनीज विश्व रिकॉर्ड बनाया है।''

बजरंग, विनेश को एशियाई खेलों में सीधा प्रवेश देने पर विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की तदर्थ समिति ने मंगलवार को ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट को एशियाई खेलों में सीधे प्रवेश दिया जिसे दूसरे पहलवान और उनके कोच अदालत में चुनौती दे सकते हैं।

यह निर्णय हालांकि विभिन्न वर्गों के राष्ट्रीय मुख्य कोच की सहमति के बिना लिया गया।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ समिति ने एक परिपत्र में कहा कि उसने पहले ही पुरुषों की फ्रीस्टाइल 65 किग्रा और महिलाओं की 53 किग्रा में पहलवानों का चयन कर लिया है। इसके बावजूद तीनों शैलियों में से सभी छह वजन श्रेणियों में ट्रायल आयोजित किए जाएंगे।

तदर्थ समिति ने परिपत्र में बजरंग और विनेश का नाम नहीं लिया, लेकिन पैनल के सदस्य अशोक गर्ग ने 'पीटीआई-भाषा' से पुष्टि की कि दोनों पहलवानों को

ट्रायल से छूट दी गई है।

गर्ग ने कहा, '' हां बजरंग और विनेश को छूट दी गयी है।''

बजरंग 65 किग्रा वर्ग के चुनौती पेश करते हैं। वह डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वाले छह पहलवानों में से एक हैं। वह इस समय किर्गिस्तान के इस्सिक-कुल में प्रशिक्षण ले रहे हैं।

जकार्ता एशियाई खेलों (2018) में स्वर्ण पदक जीतने वाली 53 किग्रा पहलवान विनेश हंगरी के बुडापेस्ट में प्रशिक्षण ले रही हैं। इन दोनों पहलवानों ने क्रमश: पुरुष 65 किग्रा और महिला 53 किग्रा वर्ग में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन उन्होंने विरोध प्रदर्शन के कारण इस साल किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग नहीं लिया है।

इस दौरान सुजीत कलाकल और अंतिम पंघाल ने इस वजन वर्ग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

अंतिम पिछले साल भारत की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनी थी। उसने इस साल सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में रजत पदक भी जीता है। सुजीत मौजूदा समय में अंडर 23 और अंडर 20 वर्ग में एशियाई चैंपियन हैं। उन्होंने अंडर 20 विश्व चैम्पियनशिप में कांस्य भी जीता है।

तदर्थ समिति ने हालांकि विरोध करने वाले चार अन्य पहलवानों साक्षी मलिक, उनके पति सत्यव्रत कादियान, जितेंद्र किन्हा और बजरंग की पत्नी संगीता फोगाट को किसी तरह की छूट नहीं दी है। तदर्थ समिति ने 23 सितंबर से चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए कुश्ती टीम का चयन करने के लिए ट्रायल से चार दिन पहले यह निर्णय लिया।

उज्जैन में धार्मिक जुलूस पर पानी थूकने को लेकर मामला दर्ज

उज्जैन/भाषा। मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में एक धार्मिक जुलूस पर कुछ लोगों के कथित तौर पर पानी थूकने का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि कथित घटना सोमवार को हुई, जिसके बाद हिंदू संगठनों ने खाराकुआ पुलिस थाने के बाहर विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आकाश भूरिया ने संवाददाताओं को बताया कि आरोप है कि बाबा महाकाल की सवारी के जुलूस में शामिल लोगों ने कुछ युवाओं को एक इमारत की बालकनी पर खड़े होकर उन पर पानी थूकते हुए देखा। भूरिया के मुताबिक, बाद में जुलूस में शामिल लोगों ने इन युवाओं के कथित कृत्य का वीडियो बनाया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

समुद्री क्षेत्र आगे बढ़ने को तैयार भारत : सोनोवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। वैश्विक समुद्री भारत शिखर सम्मेलन का तीसरा संस्करण अक्टूबर में आयोजित किया जाएगा और इसमें भविष्य के बंदरगाहों, कॉर्बन में कमी, तटीय पोत परिवहन और अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन सहित विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

तीन दिन के शिखर सम्मेलन के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सोनोवाल ने कहा कि बंदरगाहों, पोत परिवहन और अंतर्देशीय जलमार्गों के इर्द-गिर्द सक्रिय सरकारी नीतियों के कारण देश का समुद्री क्षेत्र विकास के लिए तैयार है।

शिखर सम्मेलन 17 अक्टूबर से राष्ट्रीय राजधानी में उद्योग मंडल फिक्की के सहयोग से आयोजित किया जाएगा और इसमें लगभग 50 देशों के भाग लेने की उम्मीद है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, शिखर सम्मेलन का उद्देश्य व्यापार में सहयोग बढ़ाने और व्यापार सुगमता को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान और प्रौद्योगिकी के सहयोग के साथ-साथ नए निवेश के अवसरों की संभावनाओं को उजागर करना है। सोनोवाल और उनके मंत्रालय के उपमंत्री श्रीपद नाइक सहित अन्य लोग इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

हरमीत ने एशियाई खेलों के लिए एकल में चयन नहीं होने को 'अनुचित' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली /भाषा। भारत के शीर्ष पुरुष टेबल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल हरमीत देसाई का मानना है कि हांगझोउ में आगामी एशियाई खेलों की एकल प्रतियोगिता से उन्हें ' अनुचित रूप से ' बाहर कर दिया गया है।

हरमीत पिछले 10 साल से भारतीय टेबल टेनिस टीम के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। उन्हें एशियाई खेलों की टीम में चुना गया है , लेकिन वह केवल टीम और मिश्रित युगल स्पर्धाओं में ही भाग लेंगे।

एशियाई खेलों में एक वर्ग में दो खिलाड़ी के प्रवेश की अनुमति है और एकल स्पर्धा के लिए अनुभवी शरत कमल और जी साथियान को हरमीत पर तरजीह दी गयी है।

हरमीत ने ' पीटीआई – भाषा ' से कहा , ''' यह मेरा तीसरा एशियाई खेल होने जा रहा है और चयन मानदंडों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रदर्शन शामिल हैं। इसके अनुसार मुझे टीम और युगल के साथ एकल खेलने का भी मौका मिलना चाहिये। ''

सूरत के इस 29 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने शानदार प्रदर्शन किया था जिसके बाद मंगलवार को वह भारत के सर्वोच्च रैंक वाले पुरुष एकल खिलाड़ी बन गये। वह लागोस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर के सेमीफाइनल और ट्यूनिस में डब्ल्यूटीटी कंटेंडर के प्री – क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान रैंकिंग में शीर्ष – 20 में शामिल दो खिलाड़ियों को भी हराया था। वह अब शरत (69) और साथियान (88) से आगे 64 वें स्थान पर हैं। भारतीय टीम का चयन 27 जून को हुआ था। उस समय हरमीत 71 वें स्थान पर थे जबकि शरत (54) और साथियान (60) उनसे आगे थे।

भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) के महासचिव कमलेश मेहता ने कहा कि चयन समिति का निर्णय सर्वसम्मत था और चयन के समय अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग के अनुसार खिलाड़ियों को एकल स्पर्धा के लिए चुना गया था।

भारत के पूर्व खिलाड़ी और अर्जुन पुरस्कार विजेता मेहता ने कहा , '' यह चयनकर्ताओं द्वारा सर्वसम्मति से लिया गया फैसला था, जिन्होंने चयन के समय विश्व रैंकिंग को ध्यान में रखा था। ''

विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंगलवार को मुंबई में गिरगांव के ठाकुर द्वार में बीजेपी नेता किरीट सोमैया के न्यूड वीडियो के विरोध में प्रदर्शन के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं ने नारे लगाए।

सुविचार

एक और ईंट गिर गई दीवार-ए-जिंदगी से, नादान कह रहे हैं नया साल मुबारक हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विपक्षी गठबंधन : कितना टिकाऊ?

अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर पक्ष–विपक्ष की धड़ाबंदी शुरू हो गई है। दोनों अपने खेमे में ज्यादा से ज्यादा दलों को जोड़कर अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को कड़ी चुनौती देने के प्रयास में जुटे 26 विपक्षी दलों ने अपने गठबंधन का नाम 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया)' रख लिया है। इस तरह वे चुनावी मुकाबले को 'राजग' बनाम 'इंडिया' यानी भारत बनाने की कोशिश करेंगे। यह भी प्रचारित करेंगे कि 'इंडिया' ही भारत की आम जनता का सही मायनों में प्रतिनिधित्व कर सकता है। हालांकि चुनावी राजनीति में गठबंधन का प्रयोग कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी बहुत गठबंधन हुए थे। वे अपने समय में सफल–विफल रहे। विपक्षी दलों की बैठक के बाद उनकी 'एकता' को इस तरह पेश किया जा रहा है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विजय–रथ' रोकेगी और भाजपा को हराकर ही दम लेगी। गठबंधन की राजनीति में विभिन्न दल (जिनमें विरोधी विचारधारा से भी हो सकते हैं) एक छतरी के नीचे तो आ जाते हैं, लेकिन यह इस बात की गारंटी नहीं है कि इससे उनका वोटबैंक भी एक छतरी के नीचे आ जाएगा। जब विपक्षी दल गठबंधन कर यह प्रचार करेंगे कि वे भाजपा को हराने के लिए एकसाथ आए हैं तो आम मतदाता के मन में सबसे पहला सवाल यही पैदा होगा कि इससे मेरे जीवन में क्या बदलाव आएगा? वह इस पूरी कवायद को नेताओं की आपसी 'रार' समझकर यह भी जानना चाहेगा कि ऐसा गठबंधन देश को क्या लाभ देगा?

कांग्रेस के नेतृत्व में जो दल उसके साथ आए हैं, उनमें परस्पर विरोध कम नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि इनमें से कितने दल चुनाव तक साथ रह पाएंगे! कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का यह कथन कि 'इस बैठक में हमारी मंशा अपने लिए सत्ता हासिल करने की नहीं है ... हमारा इरादा हमारे संविधान, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की रक्षा करना है', बयान की हद तक ठीक है, लेकिन वर्तमान राजनीति में इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि हर दल अपने नफे–नुकसान को देखकर ही किसी गठबंधन में शामिल होता है। निस्संदेह हर राजनीतिक दल यह कामना करता है कि उसकी सत्ता आए। इस आधार पर गठबंधन बनते–बिखरते रहे हैं। इन 26 दलों में से कई तो ऐसे हैं, जिनका पूर्व में राजग से संबंध रहा है। आज तृणमूल कांग्रेस, जदयू, नेशनल कॉन्फ्रेंस, पीडीपी, शिवसेना (उद्धव गुट) 'संविधान बचाने' के लिए कांग्रेस के पाले में हैं, लेकिन ये दल पहले भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों में सहयोगी रहे हैं। क्या इन्हें तब इस बात का बोध नहीं था? दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, जिनके राजनीतिक करियर की शुरुआत ही कांग्रेस को कोसने से हुई थी, अब कह रहे हैं कि हम देश को बचाने के लिए और नए भारत को बनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं! गठबंधन को चलाना बड़ा मुश्किल होता है। खासतौर से तब, जब नेतृत्वकर्ता दल खुद कई बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा हो। अभी कांग्रेस कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश में सत्ता में है, लेकिन वह लगातार दो लोकसभा चुनाव हार चुकी है। उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी 'मोदी उपनाम' मामले में संसद सदस्यता गंवा चुके हैं। उन्हें गुजरात उच्च न्यायालय से झटका लग चुका है। अब मामला उच्चतम न्यायालय लेकर गए हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में उप्र में कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। स्वयं राहुल गांधी अमेठी सीट हार गए थे। इस राज्य से (सर्वाधिक) 80 सांसद लोकसभा जाते हैं। इसके अलावा कई राज्यों में कांग्रेस का प्रदर्शन उत्साहजनक नहीं रहा था। वहां क्षेत्रीय दल मजबूत हैं। लिहाजा वे सीट बंटवारे के समय ज्यादा 'हिस्सा' चाहेंगे। क्या इस पर एक राय बनेगी? सवाल तो यह भी है कि क्या अन्य दल अपना वोटबैंक एक–दूसरे के साथ साझा करने के लिए सहर्ष तैयार होंगे? क्या कांग्रेस और आप, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दल, नेशनल कॉन्फ्रेंस और पीडीपी ... खुले दिल से यह फैसला मानेंगे? अगर मान भी गए तो जनता इस जमावड़े को किस तरह देखेगी? आखिर में तो फैसला उसे ही करना है, जिसने अब तक इन दलों को एक–दूसरे पर शब्दबाण छोड़ते ही देखा है!

ट्वीटर टॉक

यह महाभ्रष्ट, महाचोर, तुष्टिकरण करने वाली कांग्रेस सरकार बदलनी चाहिए। आज अजमेर में युवा आक्रोश महाघेराव जनसभा को संबोधित किया और हमारे युवा साथियों के साथ इस अकर्मण्य कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया।

–सीपी जोशी

नियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे संविदाकर्मियों पर लाठीचार्ज किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। संविदाकर्मियों पर पुलिस द्वारा जमकर लाठी डंडे बरसाना और उसमें एक दर्जन से अधिक का घायल होना कांग्रेस सरकार की तानाशाही मानसिकता को स्वत:ही बयां कर रहा है।

–राजेन्द्र राठौड़

नियमितीकरण की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे संविदाकर्मियों पर लाठी बरसाने वाली गहलोत सरकार को हर लाठी का हिसाब राजस्थान को देना पड़ेगा। कांग्रेस सरकार की यही तानाशाही मानसिकता आगामी चुनावों में प्रदेश से कांग्रेस के अंत का अध्याय लिखेगी।

–अर्जुनराम मेघवाल

प्रेरक प्रसंग

विश्वास का आधार

एक बार महाराष्ट्र का एक किसान पुणे में लोकमान्य गंगाधर तिलक के पास पहुंचा और डेढ़ हजार रुपये के चांदी के सिक्कों की थैली उन्हें सौंपी। किसान ने कहा कि वह यात्रा से लौटने के बाद वापस ले लेगा। तिलक जी ने किसान से आग्रह किया कि इस धनराशि की रसीद ले लें। किसान बोला आप मुझे शर्मिंदा कर रहे हैं। आप पर तो पूरा देश विश्वास करता है तो आप पर अविश्वास करने की धृष्टता मैं कैसे कर सकता हूं। इसी बीच तिलक जी के एक परिजन ने थैली खोलकर किसान के सामने चांदी के सिक्के गिनने शुरू किये। तिलक जी ने उसे डांट लगाई और कहा कि जब एक व्यक्ति बिना रसीद के विश्वास करके इतनी बड़ी राशि हमें सौंप रहा है तो हम किस आधार पर उस पर अविश्वास करें कि थैली में सिक्के कम हो सकते हैं। तिलक जी का परिजन निरुत्तर हो गया और किसान के मन में तिलक जी के प्रति श्रद्धा और बढ़ गई।

सामयिक

शिव स्वयंभू हैं, शाश्वत हैं, सर्वोच्च हैं

हमारा मन, शरीर सब कुछ केवल शिव तत्व से ही बना हुआ है, इसीलिए शिव को 'विश्वरूप' कहते हैं जिसका अर्थ है कि सारी सृष्टि उन्हीं का रूप है। शिव का कोई आदि और अंत नहीं है। भगवान शिव को स्वयंभू कहा जाता है जिसका अर्थ है कि वह अजन्मा हैं।

सुनील कुमार महला
मोबाइल : 9828108858

वर्तमान में सावन या श्रावण का पवित्र महीना चल रहा है। इस बार सावन का महीना 4 जुलाई से शुरू हुआ है और यह 31 अगस्त तक चलेगा। यानी कि सावन का महीना इस बार 58 दिनों का है। सावन या श्रावण के महीने को देवो के देव कहलाने वाले महादेव, भोलेशंकर या भगवान शिव(भोलेनाथ)का प्रिय मास माना जाता है और पूरे महीने शिव आराधना की जाती है। इस मास में कांवड़िए दूर दूर तक कांवड़ लेकर पैदल जाते हैं। सावन में भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया जाता है। बिल्वपत्र, धतूरा, भस्म व फलादि अर्पित किए जाते हैं। भारत में सावन बारिश का मौसम होता है और शिवजी को चढ़ने वाले फूल–पत्ते बारिश के मौसम में ही पल्लवित होते हैं इसलिए सावन में शिव पूजा की परंपरा बनी। सावन के महीने पूर्णिमा तिथि पर श्रवण नक्षत्र होता है। इस नक्षत्र के कारण ही सावन महीने का ये नाम पड़ा बताते हैं। सावन के महीने में महादेव की पूजा, उनकी आराधना, भक्ति, पूजा आदि का विशेष महत्व माना जाता है। भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए श्रद्धालु विशेषकर सावन के महीने में अपनी सामर्थ्य अनुसार व्रत, उपवास, पूजन, शिव का अभिषेक आदि करते हैं। मान्यता है कि सावन के आरंभ में भगवान विष्णु योगनिद्रा में लीन हो जाते हैं और इस सारे संसार की सत्ता–संचालन का दायित्व प्रभु शिव के हाथों में होता है। कहते हैं कि सावन माह में की गई उपासना का विशेष फल भक्तों को प्राप्त होता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार विवरण मिलता है कि जब देवी सती (माता पार्वती) ने अपने पिता दक्ष के घर में योगशक्ति द्वारा अपनी देह का त्याग किया था, उससे पहले देवी सती ने महादेव को प्रत्येक जन्म में पति के रूप में पाने का प्रण किया था। अपने दूसरे जन्म में देवी सती ने राजा हिमाचल और रानी मैना के घर में पार्वती के रूप में जन्म लिया था। कहते हैं कि मां पार्वती ने सावन के महीने में अन्न–जल आदि त्याग कर, निराहार रह कर कठोर व्रत किया था। मां पार्वती के इस व्रत से प्रसन्न होकर ही भगवान शिव(भोलेनाथ)

ने देवी पार्वती से विवाह किया और तभी से भगवान महादेव को सावन का महीना अतिप्रिय है। बहरहाल, जानकारी देना चाहूंगा कि सृष्टि की उत्पत्ति, स्थिति एवं संहार के अधिपति शिव हैं। त्रिदेवों में भगवान शिव संहार के देवता माने गए हैं।सच तो यह है कि शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदि स्रोत हैं। वास्तव में, त्रिदेवों में भगवान शंकर को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। भगवान ब्रह्मा सृजनकर्ता, भगवान विष्णु संरक्षक और भगवान शिव विनाशक की भूमिका निभाते हैं।

वैसे तो भगवान शिव के अनेक नाम हैं लेकिन शिव के कुछ प्रचलित नामों में महाकाल, आदिदेव, किरात, शंकर, चन्द्रशेखर, जटाधारी, नागनाथ, मृत्युंजय (मृत्यु पर विजय पाने वाले), त्रयम्बक, महेश, विश्वेश, महारुद्र, विषधर, नीलकण्ठ, महाशिव, उमापति (माता पार्वती के पति), काल भैरव, भूतनाथ, त्रिलोचन (तीन नयन वाले), शशिभूषण, पशुपतिनाथ, अर्द्धनारीश्वर, लिंगम(संपूर्ण ब्रह्मांड के प्रतीक), नटराज (नृत्य के देव), भोलेनाथ (कोमल हृदय, दयालु व आसानी से माफ करने वालों में अग्रणी तथा बहुत जल्द प्रसन्न होने वाले) आदि को शामिल किया जाता है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि आदि का अर्थ है प्रारंभ। शिव को 'आदिनाथ' भी कहा जाता है और आदिनाथ होने के कारण उनका एक नाम आदिश भी है। वे दैत्यों, दानवों और भूतों के भी प्रिय भगवान हैं। भगवान शिव को रूद्र नाम से भी जाना जाता है। रुद्र का अर्थ है रुत दूर करने वाला अर्थात दुखों को हरने वाला। वास्तव में रूद्र से तात्पर्य है दुखों का निर्माण और नाश करना। 'शिव' शब्द का अर्थ 'शुभ, स्वाभिमानिक, अनुग्रहशील, सौम्य, दयालु, उदार, मैत्रीपूर्ण' होता है। लोक व्युत्पत्ति में 'शिव' की जड़ 'शि' है जिसका अर्थ है जिन में सभी चीजें व्यापक हैं। यहां 'वा' का अर्थ है 'अनुग्रह के अवतार।' ऋग्वेद में शिव शब्द एक विशेषण के रूप में प्रयोग किया जाता है। शिव शब्द ने मुक्ति, अंतिम मुक्ति और 'शुभ व्यक्ति' का भी अर्थ दिया है। पाठकों को यह भी बताता चलूं कि कैलाश सरोवर को शिव का निवास स्थान माना जाता है, जहां भगवान शिव साक्षात विराजते हैं। शिव' का शाब्दिक अर्थ है– जो नहीं है'। शिव 'शून्य' हैं। देखा जाए तो हमारी इस संपूर्ण सृष्टि में सब कुछ 'शून्यता' से ही तो आता है और वापस 'शून्य' में ही चला जाता है। जानकारी मिलती है कि शिव ही वो गर्भ हैं जिसमें से सब कुछ जन्म लेता है, और वे ही वो गुमनामी हैं, जिनमें सब कुछ फिर से समा जाता है। सब कुछ शिव से आता है, और फिर से शिव में चला जाता है। दूसरे शब्दों में यह बात कही जा सकती है कि शिव वह चेतना है जहाँ से सब कुछ आरम्भ होता है, जहाँ सबका पोषण होता है और जिसमें सब कुछ विलीन हो जाता है। कोई भी कभी 'शिव' के बाहर नहीं हैं क्योंकि पूरी सृष्टि ही शिव में विद्यमान है। हमारा मन, शरीर सब कुछ केवल शिव तत्व से ही बना हुआ है, इसीलिए शिव को 'विश्वरूप' कहते हैं जिसका अर्थ है कि सारी सृष्टि उन्हीं का रूप है। शिव का कोई आदि और अंत नही है। भगवान शिव को स्वयंभू कहा जाता है जिसका अर्थ है कि वह अजन्मा हैं। वह ना आदि हैं और ना ही अंत। वास्तव में,भोलेनाथ को अजन्मा और अविनाशी कहा जाता है। सच तो यह है कि श्रद्धा का नाम माँ पार्वती और विश्वास का नाम शिव है। जानकारी देना चाहूंगा कि 'शिवतत्व में शिवतत्व और शक्तितत्व दोनों का अंतर्भाव होता है। परमशिव प्रकाशविमर्शमय है। इसी प्रकाशरूप को शिवतत्व और विमर्शरूप को शक्तितत्व कहते हैं। यही विश्व की सृष्टि, स्थिति और संहार के रूप में प्रकट होती है।पाठकों को जानना जरूरी है कि शिवलिंग अनंत शिव की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति है। शिव को सुंदरेश भी कहते हैं वहीं उन्हें अघोर (भंयकर) भी कहते हैं। शिव, चेतना की जागृत, निद्रा और स्वप्न अवस्था के परे हैं। शिव समाधि हैं – चेतना की चौथी अवस्था, जिसे केवल ध्यान में ही प्राप्त किया जा सकता है। इस संसार में बल्कि यूं कहें कि इस संपूर्ण ब्रह्मांड में ऐसा कोई स्थान नहीं है जहाँ शिव न हों, यानी कि शिव सर्वत्र विराजमान हैं।

नजरिया

मिशन चंद्रयान-3 की सफलता की पूरी उम्मीद

प्रभुनाथ शुक्ल
मोबाइल : 9450254645

अंतरिक्ष विज्ञान में भारत एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया में सबसे कम खर्च में हमारे वैज्ञानिकों ने बुलंदी का झंडा गाड़ा है। हम चाँद को जीतने निकल पड़े हैं। कभी हम साइकिल पर मिसाइल रखकर लांचिंग पैड तक जाते थे, लेकिन आज हमारे पास अत्याधुनिक तकनीकी उपलब्ध है। जिसका लोहा अमेरिका और दुनिया के तकनीकी एवं साधन संपन्न देश मानते हैं। इसरो ने 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से चंद्रयान–3 का सफलता पूर्वक प्रक्षेपण कर दिया। यान पृथ्वी की कक्षा में स्थापित भी हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रक्षेपण की सफलता पर वैज्ञानिकों को बधाई देते हुए कहा कि अंतरिक्ष में चंद्रयान–3 एक नए चैप्टर की शुरुआत है। अंतरिक्ष में बढ़ते कदम की वजह से चन्द्रमा के साथ–साथ अन्य तकनीकी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस मिशन का उपयोग हम विभिन्न क्षेत्रों में करेंगे। जिसकी वजह कृषि एवं दूसरे क्षेत्र में बड़ा फायदा मिलेगा। हमारे सफल अंतरिक्ष कार्यक्रम की वजह से मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। भीषण चक्रवातीय तूफानों की त्वरित सूचना समय पर उपलब्ध होने से लोगों को आपदा से बचा लिया जा रहा है। जनधन की हानि को नियंत्रित किया जा सका है।

चंद्रमा कभी हमारे लिए किस्से कहानियों में होता था। दादी और नानी कि कहानियों में उसके बारे में जानकारी मिलती थी। लेकिन आज वैज्ञानिक शोध और तकनीकी विकास की वजह से हम चांद को जीतने में लगे हैं। चंद्रलोक के बारे में वैज्ञानिक ज़मीनी पड़ताल कर रहे हैं। चंद्रलोक की बहुत सारी जानकारी हमारे पास उपलब्ध है। दुनिया के लिए चांद अब रहस्य नहीं है। अब वहां मानव जीवन बसाने के लिए भी रिसर्च किए जा रहे हैं। वैज्ञानिक शोध से यह साबित हो गया है कि चांद पर जीवन बसाना आसान है।

सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो मिशन चंद्रयान–3 की सॉफ्ट लैंडिंग की तैयारी में जुटा है। हमारा अभियान अगर असफल हो गया तो भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। जिसकी पहचान चंद्रमा पर सफल लैंडिंग करने वाले देश के रूप में होगी। निश्चित रूप से हमारे वैज्ञानिकों को इसमें सफलता मिलेगी। यह चंद्रयान –2 मिशन को आगे बढ़ाने की कोशिश है। क्योंकि यह अभियान वैज्ञानिकों के अथक प्रयास के बाद भी कक्षा में स्थापित होने के पहले असफल हो गया था। लिहाजा उस अभियान से सबक लेते हुए अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सारी कमियों को दूर कर लिया है। उम्मीद है कि देश का यह अभियान सफल होगा और भारत का नाम अंतरिक्ष युग में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। चंद्रमा पर सफल और सुरक्षित लैंडिंग करने वाले अब तक सिर्फ तीन देश हैं जिसमें अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत भी इस बिरादरी में शामिल हो जाएगा। देश के लिए यह गर्व और गौरव का विषय होगा।

भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के अनुसार यह मिशन पूरी तरह चंद्रयान– 2 की तरह ही होगा। अभियान पर करीब 615 करोड़ का खर्च आया है। यह 50 दिन बाद लैंड करेगा। इस यान में भी एक आर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। यह चंद्रयान –2 के मुकाबले इसका लैंडर 250 किलोग्राम अधिक वजनी होगा और 40 गुना अधिक स्थान का घेराव करेगा।

यान की गति प्रतिघंटा 37 हजार किलोमीटर वैज्ञानिकों ने उस तकनीकी गड़बड़ी को दूर कर लिया है जिसकी वजह से चंद्रयान–2 सफलता के करीब पहुंचने के बाद भी फेल हो गया था। इस बार अंतरिक्ष संगठन की पूरी कोशिश है कि यह पूरी तरह सफल हो। 14 जुलाई को श्रीहरि कोटा से इस मिशन का आगाज किया जाएगा।

चंद्रयान–3 को 01 अगस्त तक यह चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। जबकि 23 अगस्त तक सब ठीक रहा तो चंद्रतल पर इसे सुरक्षित स्थापित किया जाएगा। इस मिशन का यह सबसे चुनौतीपूर्ण मसला है। चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग अंतरिक्ष वैज्ञानिकों की सबसे बड़ी चुनौती है। दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भी भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने सफल प्रक्षेपण की बधाई दिया है।

यूरोपीयन स्पेस एजेंसी, इंग्लैंड और फ्रांस ने भी सफल प्रक्षेपण की भारतीय वैज्ञानिकों की पीठ थपथपाई है। भारत का धुर विरोधी पाकिस्तान भी चंद्रयान –3 के सफल प्रक्षेपण के लिए भारतीय स्पेश संस्थान इसरो को शुभकामनाएं दी है। यह अंतरिक्ष में भारत की बढ़ती ताकत का परिणाम है। वैज्ञानिकों ने उन तकनीकी खामियों को दूर कर लिया है। उम्मीद की जा रही है कि अगस्त के अंतिम सप्ताह में देश के अंतरिक्ष वैज्ञानिक चंद्रयान –3 को सफलतापूर्वक चन्द्रमा पर स्थापित करने में कामयाब होंगे।

चिंतन

राजनीतिक चंदे की पारदर्शी व्यवस्था बनाना जरूरी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

वर्ष 2024 के आम चुनाव जैसे–जैसे नजदीक आते जा रहे हैं,राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे का मुद्दा एक बार फिर गरमा रहा है। लोकतंत्र की एक बड़ी विसंगति या कहे समस्या उस धन को लेकर है, जो चुपचाप, बिना किसी लिखा–पढ़ी के दलों, नेताओं और उम्मीदवारों को पहुंचाया जाता है, यानी वह काला धन, जिससे देश के बड़े राजनीतिक आयोजन चलते हैं राजनैतिक रैलियां, सभाएं, चुनाव प्रचार होता है। उम्मीदवारों के साथ–साथ मतदाताओं को लुभाने एवं उन्हें प्रलोभन देने में इस धन का उपयोग होता है। जब से चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को चंदा देने का प्रचलन शुरु हुआ है, राजनीतिक दलों को इससे मिलने वाली राशि में काफी इजाफा हुआ है। देश के सात राष्ट्रीय और चौबीस क्षेत्रीय राजनीतिक दलों की ओर से सार्वजनिक किए गए आमदनी के ब्योरे से यह खुलासा हुआ है।

एडीआर द्वारा किए गए इस ब्योरे के विश्लेषण से पता चला है कि वर्ष 2017–18 में जब से चुनावी बॉन्ड योजना शुरू हुई, तब से अब तक राजनीतिक दलों को प्राप्त चंदे की कुल रकम 16,347 करोड़ रुपए में 55.9 फीसदी हिस्सा चुनावी बॉन्ड का है। कारपोरेट चंदे का हिस्सा महज 28.7 फीसदी और अन्य स्रोतों से प्राप्त रकम मात्र 16.03 फीसदी है।

किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना आज राजनीति का सामान्य लक्षण हो गया है। अगर कोई चुनाव जीत जाता है तो उसने चाहे जितने गलत और चाहे जितने क्षुद्र तरीके अपनाए हों, चाहे जिन हथकंडों का सहारा लिया हो, उसे कुछ भी गलत नजर नहीं आता, उसे कोई अपराध–बोध नहीं सताता, वह मान कर चलता है कि उसके गुनाहों पर परदा पड़ गया है। जबकि लोकतंत्र तभी फूलता–फलता है जब चुनाव ईमानदार, स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी हों। दोहरा राजनीति चरित्र लोकतंत्र के लिये सबसे घातक है और ऐसे ही चरित्र की निष्पत्ति है राजनीतिक चंदे का एक नया स्वरूप चुनावी बॉन्ड। चंदा देने वाले कॉरपोरेट ऐसे धारक बॉन्ड खरीद सकते हैं और बिना पहचान बताए राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में दे सकते हैं। चुनावी बॉन्ड आरबीआई जारी करता है। राजनीतिक पार्टियों को दान देने वाला बैंक से बॉन्ड खरीद सकेगा और दान देने वाला किसी भी पार्टी को बॉन्ड दे सकेगा। राजनीति चंदे पर नियंत्रण एवं उसकी पारदर्शिता कैसे संभव होगी? समस्या और गहरी होती हुई दिखाई दे रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2017 में वित्त अधिनियम में बदलाव कर कंपनियों के लिए तीन साल के कुल लाभ का 7.5 फीसदी चुनावी चंदा देने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई थी। उसके बाद कॉरपोरेट चंदे में कमी और चुनावी बॉन्ड से चंदे में बढ़ोतरी का ट्रेंड दिख रहा है। चुनावी चंदा 748 फीसदी (2017–18 से 2021–22 तक) बढ़ा है तो कॉरपोरेट चंदा मात्र 48 फीसदी। इस ट्रेंड से इतना तो कहा ही जा सकता है कि कॉरपोरेट चंदे की रकम अब बॉन्ड की ओर शिफ्ट हो रही है। जाहिर है, नियम में बदलाव से कंपनियों को अपनी सफेद कमाई का हिस्सा चुनावी चंदे में खर्च करने की अनिवार्यता समाप्त हो गई है। इन्हें पारदर्शिता की कमी के चलते चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को उपकृत करना मुफीद लगने लगा है। उद्योग जगत के सहयोग के बिना चुनावी बॉन्ड के हिस्से में इतनी बड़ी रकम आना संभव नहीं है। तथ्य यह भी है कि चुनावी बॉन्ड से किसने किस दल को कितनी रकम दी है, इसका खुलासा करने का प्रावधान है ही नहीं। पिछले छह साल में चुनावी बॉन्ड से भाजपा को 5271.97 करोड़ रुपए (52 फीसदी), कांग्रेस को 952.29 करोड़ रुपए (61.54) और तृणमूल कांग्रेस को 767.88 करोड़ रुपए (93.27 फीसदी) रकम हासिल होना दानदाताओं की सहूलियत को ही दर्शाता है। इसे अच्छा चलन माना जा सकता था, बशर्ते समूची प्रक्रिया पारदर्शी होती, लेकिन राजनीतिक दलों की सुविधा के लिये ऐसी पारदर्शिता देखने को नहीं मिलती है।

देश में गहराई तक धंसी भ्रष्टाचार की जड़ों को राजनेताओं–कारोबारियों–बिचौलियों की तिकड़ी' खाद–पानी देती है। भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए इस तिकड़ी को तोड़ना जरूरी है। चुनावी बॉन्ड व्यवस्था का एक उद्देश्य राजनीति में भ्रष्टाचार समाप्त करना था तो राजनीतिक दलों को चंदों में पारदर्शिता से दूर रखने की व्यवस्था आखिर क्यों कर की गई? बात–बात में तलवारें खींचते रहने वाले राजनीतिक दल अपने आर्थिक हित–अहित का ध्यान मिल–जुलकर ही रखते हैं। इस तरह तो भ्रष्टाचार का खात्मा मुश्किल है।

तात्कालिक राजनीतिक लक्ष्यों की पूर्ति के लिये दीर्घकालिक मूल्यों को नजरअंदाज कर देना वर्तमान राजनीति संस्कृति का केन्द्रीय भाव बन गया है। राजनीति का अपराधीकरण इसी प्रक्रिया के दौरान हुआ है। पहले सिर्फ कांग्रेस को इसका दोषी समझा जाता था, लेकिन आज शायद ही कोई राजनीति दल इससे बचा हो, जिस पर दाग नहीं लगा हो। एक जमाने में राममनोहर लोहिया कांग्रेस को भ्रष्टाचार की गंगोत्री' कहा करते थे।

लेकिन आज कौन–सी पार्टी है जो सार्वजनिक जीवन में शुचिता का पालन कर रही है? शोचनीय बात यह है कि अब भ्रष्टाचार के दोषी शर्मसार भी नहीं होते। इस तरह का राजनीतिक चरित्र देश के समक्ष गम्भीर समस्या बन चुका है। राजनीति की बन चुकी इस मानसिकता और भ्रष्ट आचरण ने पूरे लोकतंत्र और पूरी व्यवस्था को प्रदूषित कर दिया है। स्वहित और स्वयं की प्रशंसा में ही लोकहित है, यह सोच हमारी राजनीति में घर कर चुकी है। यह रोग राजनीति को इस तरह जकड़ रहा है कि हर राजनेता लोक के बजाए स्वयं के लिए सब कुछ कर रहा है।

राजनीति करने वाले सामाजिक उत्थान के लिए काम नहीं करते बल्कि उनके सामने बहुत संकीर्ण मंजिल है, वोटों की। ऐसी रणनीति अपनानी, जो उन्हें बार–बार सत्ता दिलवा सके, ही सर्वोपरि है। वोट की राजनीति और सही रूप में सामाजिक उत्थान की नीति, दोनों विपरीत ध्रुव हैं।

एक राष्ट्र को संगठित करती है, दूसरी विघटित। अब जबकि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है तो उनके प्रयत्नों, नीतियों एवं योजनाओं में भी वैसा होता हुआ दिखाई देना चाहिए। कहीं उनकी भी कथनी और करनी में अन्तर न आ जाये? राजनीतिक चंदे को नियंत्रित करते एवं उसे पारदर्शी बनाने की वकालत करते–करते चुनावी बॉण्ड कहां से आ गया? क्योंकि यहां सवाल दुहरे मानदंडों का उतना नहीं, जितना संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति राजनीतिक वर्ग के रवैये का है। इस समय प्रत्येक राजनीति पार्टी चाहती है कि जब वह सत्ता में हो, उसके ऊपर किसी का अंकुश न हो, न किसी संविधान का, न कानून का, न किसी तरह की लोकतांत्रिक मर्यादा का। ये सब उसे तभी याद आते हैं जब वह सत्ता से बाहर होती है। अपनी सब बुराइयों, कमियों को व्यवस्था प्रणाली की बुराइयां, कमजोरियां बताकर पल्ला झाड़ लो और साफ बच निकलो। राजनीतिक चंदे के नाम पर लोकतंत्र को दूषित करने की कोशिशों पर विराम लगना जरूरी है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उद्घाटन

मुंबई में मंगलवार को केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल मंगलवार को मुंबई में ग्लोबल मैरीटाइम इंडिया समिट 2023 के उद्घाटन समारोह में दीप प्रज्वलित करते हुए।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बी भेजी

सियोल/एपी

अमेरिका ने चार दशक में पहली बार मंगलवार को दक्षिण कोरिया में एक परमाणु शक्ति संपन्न पनडुब्बी भेजी और उत्तर कोरिया को आगाह किया।

अमेरिका और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपतियों ने उत्तर कोरिया की ओर से बढ़ते परमाणु खतरे के जवाब में अप्रैल में अनेक समझौते किये थे जिनमें से एक दक्षिण कोरिया में अमेरिका की परमाणु बैलिस्टिक मिसाइलों को ले जा सकने वाली पनडुब्बियों की समय-समय पर आमद है। उन्होंने एक द्विपक्षीय परमाणु परामर्श समूह स्थापित करने और सैन्याभ्यास बढ़ाने पर भी सहमति जताई। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ओहायो-श्रेणी की पनडुब्बी 'यूएसएस केंचुकी' मंगलवार दोपहर में दक्षिण कोरिया के बुसान बंदरगाह पर पहुंची। उसने कहा कि यह 1980 के दशक के बाद से अमेरिका की किसी परमाणु क्षमता संपन्न पनडुब्बी की पहली दक्षिण कोरिया यात्रा है। रक्षा मंत्री ली जोंग-सुप ने पनडुब्बी के आने को अमेरिका की प्रतिरोधक प्रतिबद्धता को लेकर उसका संकल्प बताया। उन्होंने कहा कि पनडुब्बियों का आना उत्तर कोरिया के खिलाफ सहयोगी देशों की क्षमता और रुख को दिखाता है। शीत युद्ध के दौरान 1970 के दशक के अंत में अमेरिकी परमाणु शक्ति संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों ने दक्षिण कोरिया के लगातार कई दौरे किये थे और फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स के अनुसार कई बार एक महीने में दो से तीन बार ये दौरे होते थे। इसी बीच दक्षिण कोरिया और अमेरिका के एक द्विपक्षीय परामर्श समूह ने मंगलवार को सियोल में मुलाकात की और उत्तर कोरिया के उभरते परमाणु खतरों के खिलाफ अपने देशों की निरोधक क्षमताओं को मजबूत करने पर चर्चा की। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक यिओल की अप्रैल में हुई मुलाकात के दौरान समझौतों के तहत परमाणु परामर्श समूह बनाया गया था।

भारतीय-अमेरिकी सांसद डॉ. एमी बेरा को मिला 'चैंपियन ऑफ हेल्थकेयर इनोवेशन अवार्ड'

वाशिंगटन/भाषा

चिकित्सक से नेता बने भारतीय-अमेरिकी डॉ. एमी बेरा को अमेरिका में उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधा को किफायती और सुलभ बनाने में उनके योगदान के लिए 'चैंपियन ऑफ हेल्थकेयर इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया है।

अमेरिकी कांग्रेस में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय-अमेरिकी 58 वर्षीय बेरा उन लोगों में शामिल हैं, जिन्हें पिछले सप्ताह यहां हेल्थकेयर लीडरशिप काउंसिल के इनोवेशन एक्सपो के दौरान सम्मानित किया गया।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद बेरा ने शुक्रवार को ट्वीट किया, ''हेल्थ इन फोकस से चैंपियन ऑफ हेल्थकेयर इनोवेशन अवार्ड पाकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एक चिकित्सक के रूप में, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए काम करने को लेकर प्रतिबद्ध हूं कि हर अमेरिकी को उच्च गुणवत्ता वाली किफायती स्वास्थ्य सुविधा मिले।''

बेरा ने 2013 में संसद का सदस्य बनने से पहले कैलिफोर्निया में सैक्रामेंटो काउंटी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य किया था। वह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में सैक्रामेंटो काउंटी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बेरा वर्तमान में प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के सदस्य हैं, जहां वह एशिया, प्रशांत, मध्य एशिया और परमाणु अप्रसार पर उपसमिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। वह इंटेलिजेंस पर प्रतिनिधि सभा की स्थायी चयन समिति और कोरोना वायरस महामारी पर प्रवर उपसमिति के सदस्य भी हैं।

प्रदर्शनी

हैदराबाद में मंगलवार को इंडियन फ्यूजन और सस्टेनेबल फैशन के जाने-माने डिजाइनर और कलाकार अस्मित मारवाह और एफएलओ हैदराबाद चैप्टर की चेयरपर्सन रितु शाह स्टाइल तत्व प्रदर्शनी के दौरान सस्टेनेबल उत्पादों की जांच करते हुए।

ऑस्ट्रेलियाई तट पर बहकर आई रहस्यमय वस्तु भारतीय रॉकेट का टुकड़ा हो सकती है

मेलबर्न/भाषा। ऑस्ट्रेलिया के एक सुदूर समुद्री तट पर गुंबद के आकार की एक रहस्यमय वस्तु बहकर आई है और ऐसा माना जा रहा कि यह 20 साल पुराने भारतीय रॉकेट का एक टुकड़ा हो सकती है जिसका इस्तेमाल उपग्रह प्रक्षेपण के लिए किया गया था।

गुंबद के आकार की यह वस्तु पर्थ से लगभग 250 किलोमीटर उत्तर में ग्रीन हेड समुद्र तट पर पाई गई है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' द्वारा संपर्क किये जाने पर ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी से औपचारिक संचार प्राप्त होने की पुष्टि की लेकिन उन्होंने इस संबंध में कोई विवरण नहीं दिया।

विचित्र दिखने वाली इस वस्तु को अंतरिक्ष कचरे का टुकड़ा घोषित कर दिया गया है, जबकि ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी (एएसए) सहित राष्ट्रीय एजेंसियां इस वस्तु का विश्लेषण कर रही है।

उत्तर प्रदेश का पुजारी 700 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंचा अमरनाथ की पवित्र गुफा

पुलवामा (जम्मू कश्मीर)/भाषा

उत्तर प्रदेश के एक पुजारी ने करीब 700 किलोमीटर से अधिक की दूरी पैदल तय कर दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन किये।

सहारनपुर जिले के बधू गांव के रहने वाले राहुल शर्मा ने कहा कि वह घर वापस जाते समय उत्तराखंड में केदारनाथ के दर्शन करेंगे। उन्होंने 30 मई को अपनी यात्रा शुरू की थी और 11 जुलाई को पवित्र गुफा में दर्शन किए।

शर्मा ने बताया कि कि उन्होंने पहलगाम मार्ग से पवित्र गुफा तक पहुंचने की कठिन यात्रा शुरू करने से पहले जम्मू क्षेत्र में त्रिकूटा की पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णोदेवी मंदिर में भी दर्शन किए।

हाथ में तिरंगा लेकर पैदल यात्रा कर रहे शर्मा ने यहां 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''मैं सबसे पहले माता वैष्णो देवी मंदिर गया और वहां से अमरनाथ गुफा मंदिर गया। मैंने पहलगाम के रास्ते यात्रा शुरू की थी।''

अमरनाथ यात्रा दो मार्गों पहलगाम और बालटाल के रास्ते की जाती है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में दो दिन लगते हैं।

हालांकि, शर्मा ने पवित्र गुफा से वापसी के लिए मध्य कश्मीर के गांदेरबल जिले से होकर गुजरने वाले बालटाल मार्ग का सहारा लिया।

वह अब उत्तराखंड के केदारनाथ स्थित भगवान शिव के मंदिर के दर्शन करने के वास्ते पैदल निकल चुके हैं।

शर्मा ने कहा, ''मेरी इच्छा थी कि मैं राष्ट्रीय ध्वज लेकर चलूं। मैं कश्मीर को देखना चाहता था जहां के बारे में लोग कहते हैं कि हालात खराब है, लेकिन मुझे ऐसा कुछ महसूस नहीं हुआ। स्थिति यहां अच्छी है।'' उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग बहुत ही सहयोग करने वाले हैं।

शर्मा ने कहा, ''कश्मीर के स्थानीय लोगों ने बहुत मदद की। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस ने भी मेरा सहयोग किया व मेरी सुरक्षा की।''

'गदर-2' से जारी हुए गीत खैरियत ने दर्शकों को बांधा

मुंबई एजेन्सी

आगामी महीने की 11 तारीख को प्रदर्शित होने वाली सनी देओल की फिल्म गदर-2 इन दिनों बहुत चर्चाओं में हैं। पिछले महीने की 9 तारीख को इस फिल्म के पहले भाग को एक बार फिर से सिनेमाघरों में उतारा गया था, जहाँ पर इसे जबरदस्त कामयाबी मिली। 2 करोड़ की लागत के साथ फिल्म में किए गए संशोधनों ने दर्शकों को फिर से आकर्षित किया।

गलियारों में बहती हवाओं का कहना है कि इस फिल्म न सिर्फ अपनी 2 करोड़ की लागत को पुन: प्राप्त किया अपितु लाभांश भी कमाया। कहा जा रहा है कि अब तक यह फिल्म 3.50 करोड़ का कारोबार करके स्वयं को ब्लॉकबस्टर साबित कर चुकी है।

कुछ समय पूर्व ही गदर-2 के गीत खैरियत का टीजर जारी किया गया था, जिसे लोगों ने काफी पसन्द किया था। इस टीजर के बाद अब फिल्म 'गदर 2' का 'खैरियत' गाना पूरा रिलीज हो गया है। फिल्म का ये गाना आते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। 'खैरियत' गाने में सनी देओल एकदम नए लुक में नजर आए।

सनी देओल के इस लुक को देखने के बाद लोग उनके दीवाने हो गए है। इस गाने में आपको 'गदर' फिल्म की झलक भी देखने को मिलने वाली है। तो वहीं अरिजीत सिंह की आवाज लोगों पर जादू चला रही हैं। अरिजीत सिंह की आवाज में इस गाने को सुनने के बाद लोगों का दिल खुश हो गया है। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' के गाने 'खैरियत' की फैंस जमकर तारीफ करते हुए नजर आए।

सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' के इस गाने क सुनने के बाद फैंस काफी खुश दिखाई दे रहे हैं। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' के इस गाने के बाद अब दर्शकों को फिल्म की रिलीज का इंतजार है। सनी देओल और अमीषा पटेल की फिल्म 'गदर 2' इसी साल यानी 11 अगस्त को रिलीज होने वाली हैं। 'गदर 2' की टक्कर अक्षय कुमार की 'ओह माय गॉड 2' से होने वाली है।

सलमान खान ने नए कलाकारों को फिल्म में काम देने के लिए आने वाली फर्जी कॉल के प्रति आगाह किया

मुंबई/भाषा

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'सलमान खान फिल्म्स' (एसकेएफ) ने सोमवार को एक बयान जारी कर प्रशंसकों के साथ-साथ आकांक्षी कलाकारों को फिल्म में काम दिलाने के लिए आने वाली फर्जी कॉल के प्रति आगाह किया है। 'चिल्लर पार्टी', 'बजरंगी भाईजान' और 'भारत' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाली एसकेएफ ने कहा कि उसने अपनी भविष्य की फिल्मों के लिए किसी भी 'कास्टिंग एजेंट' को नहीं रखा है। कास्टिंग एजेंट आकांक्षी कलाकारों को फिल्म में काम दिलाने के लिए प्रोडक्शन हाउस के पास भेजते हैं। बयान में कहा गया, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि सलमान खान और एसकेएफ द्वारा वर्तमान में किसी भी फिल्म के लिए कलाकारों का चयन नहीं किया जा रहा है। हमने अपनी भविष्य की किसी भी फिल्म के लिए किसी कास्टिंग एजेंट की सेवा नहीं ले रखी है। कृपया इस संबंध में आपको प्राप्त किसी भी ईमेल या संदेश पर विश्वास न करें।'' इसमें कहा गया है, ''अगर कोई भी पक्ष किसी भी अनधिकृत तरीके से खान या एसकेएफ के नाम का इस्तेमाल करते हुए पाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी।'' सलमान की अगली फिल्म 'टाईगर 3' है, जिसका निर्माण यश राज फिल्म्स कर रही है।

मैं हमेशा ऐसी फिल्में करती हूं जिन्हें मैं पूरे परिवार के साथ देख सकूं : सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई/वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि वह हमेशा ऐसी फिल्में करत है जिन्हें वह पूरे परिवार के साथ देख सकती है। सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, यदि मुझे लगे कि कुछ ऐसा हो सकता है जो मेरे परिवार को असहज महसूस करवाए या उन्हें शर्मिंदा करे, तो मैं उस फिल्म को नहीं करती। मुझे ऐसा करने की इच्छा नहीं होती। मैं बस इसलिए पसंद करती हूं कि मैं अपने परिवार के साथ बैठकर कुछ भी देख सकूं जिससे उन्हें असहजता न हो, और वे बेचैन न हों. जब कभी कोई मुझे कुछ ऑफर करता है और यदि मुझे लगता है कि वह मेरे लिए उचित नहीं है, तो मैं सुनिश्चित करती हूं कि उन्हें इसके बारे में पता हो, फिर यह उनकी मर्जी है।

'प्रोजेक्ट के' में दीपिका पादुकोण का पहला लुक जारी

मुंबई/भाषा

'प्रोजेक्ट के' के निर्माताओं ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहीं बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण का पहला लुक जारी किया, जिसमें उनके किरदार को बेहतर कल की उम्मीद जगाने वाला बताया गया है। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित 'प्रोजेक्ट के' में प्रभास, अमिताभ बच्चन, दिशा पटानी और कमल हासन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। 'प्रोजेक्ट के' की निर्माता कंपनी वैजयंती मूवीज ने सोमवार रात अपने आधिकारिक ट्विटर पेज पर फिल्म का एक पोस्टर साझा किया, जिसमें दीपिका दिखाई दे रही हैं। कंपनी ने लिखा, एक उम्मीद जगी है, बेहतर कल की। यह 'प्रोजेक्ट के' की दीपिका पादुकोण हैं। मंगलवार को साझा किए गए एक नये पोस्ट में कंपनी ने कहा, दीपिका फिल्म में एक ऐसी युवती का किरदार निभा रही हैं, जिसकी आंखों में एक नयी दुनिया के सपने पलते हैं।

पर्यावरण को बचाने के लिये द भूमि फाउंडेशन बनायेगी भूमि पेडनेकर

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर्यावरण को बचाने के लिये द भूमि फाउंडेशन को लॉन्च करने जा रही है। भूमि पेडनेकर द भूमि फाउंडेशन को लॉन्च करने जा रही है। इस संस्था का उद्देश्य पूरे भारत में प्रदूषण के प्रभाव को कम करना है।भूमि पेडनेकर ने कहा, मैं अपनी धरती को बचाने के लिए काम करना चाहती हूं, साथ ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर वातावरण देकर जाना चाहती हूं।मुझे बहुत खुशी होगी यदि भूमि फाउंडेशन उन लोगों को सशक्त बनाकर पर्यावरण को बचाने में प्रमुख भूमिका निभा सके जिन्होंने पृथ्वी की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है। भूमि पेडनेकर ने कहा,भूमि फाउंडेशन को लॉन्च करने की दिशा में काम करना मेरे लिए खुशी की बात है और वह भी मेरे जन्मदिन पर, इससे ज्यादा खास कुछ नहीं हो सकता। मेरे नाम का मतलब पृथ्वी है। मैं अपनी कमाई का एक हिस्सा भूमि फाउंडेशन की ओर जाएगा जिससे इस धन का उपयोग पर्यावरण की सहायता के लिए किया जा सके।जब भूमि फाउंडेशन लॉन्च होगा तो इससे जलवायु संरक्षणवादियों और पर्यावरणविदों की सेना को मदद मिलेगी।

प्रदर्शन

मंगलवार को मुंबई में गिरगांव के ठाकुर द्वार पर भाजपा नेता किरीट सोमैया के वीडियो के विरोध में प्रदर्शन के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की।

वरुण धवन के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी कीर्ति सुरेश

मुंबई एजेन्सी

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश वरुण धवन के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दोनों तमिल फिल्म निर्माता कालीस द्वारा निर्देशित एक्शन से भरपूर नाटकीय मनोरंजन फिल्म में अभिनय करेंगे। फिल्म, जिसका अस्थायी शीर्षक तऊ18 है, का निर्माण मुराद खेतानी (सिने1 स्टूडियोज) और प्रिया एटली (ए फॉर एप्पल स्टूडियोज) द्वारा किया जा रहा है। इसे जवान के निर्देशक एटली कुमार प्रस्तुत करेंगे। कीर्ति अपने बॉलीवुड लॉन्च वाहन में कुछ तत्वों की तलाश में थीं, और वरुण धवन की यह फिल्म उनकी प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। वह भावनाओं, नाटक और एक्शन से भरी इस व्यावसायिक फिल्म में एक मजबूत और ग्लैमरस किरदार निभाएंगी। दक्षिण में खुद को स्थापित करने के बाद अपनी असाधारण अभिनय क्षमता और प्राकृतिक आकर्षण के साथ, कीर्ति पूरे भारत में अपने पंख फैलाने के लिए पूरी तरह तैयार है, और तऊ18 उस दिशा में पहला कदम है,'' फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने पिंकविला को बताया। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होने वाली है। निर्माताओं ने स्पष्ट रूप से 31 मई, 2024 को प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को नवंबर तक पूरा करने के लिए तीन महीने की योजना बनाई है। वरुण, जिन्हें आखिरी बार अमर कौशिक की फिल्म भेड़िया में एक वेयरवोल्फ की भूमिका निभाते हुए देखा गया था, कथित तौर पर इस फिल्म में एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। वर्तमान में, वह नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित और जान्हवी कपूर द्वारा अभिनीत अपनी अगली फिल्म बवाल की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने बताया अपने टैटू का आध्यात्मिक अर्थ

मुंबई एजेन्सी

टेलीविजन शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने हाल ही में टैटू बनवाया है। शुभांगी ने अपने टैटू के पीछे का अर्थ बताया है। उन्होंने अपनी कलाई पर ओम का चिन्ह और कमल का फूल गुदवाया है। अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने कहा कि ओम का चिन्ह भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति का प्रतीक है। जबकि, कमल हीलिंग का प्रतिनिधित्व करता है। अभिनेत्री ने कहा कि टैटू आत्म-अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली साधन है। लगभग दो दशकों से मेरा पहला टैटू बनवाने का विचार मन में ही दबा हुआ था। उन्होंने आगे कहा, मैंने खुद को एक सुंदर टैटू से सजाया है, जिसमें 'ओम' और 'कमल' की तस्वीर है। जो मेरे लिए गहरे अर्थ रखता है। ओम भगवान शिव के प्रति मेरी भक्ति को दर्शाता है जबकि कमल हीलिंग पैदा करता है। शुभांगी की लंबे समय से अटकी बकेट लिस्ट आखिरकार उनकी बेटी आशी की बदौलत पूरी हो गई।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि मेरी बेटी आशी अपनी उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका जाने को तैयार है। मैं उसके जाने से पहले उसके साथ कुछ अच्छा समय बिताना चाहती थी, इसके लिए हम गोवा गए, जहां आशी ने मुझे वह टैटू बनवाने के लिए राजी कर लिया। शुभांगी ने कहा कि उनकी बेटी ने न केवल डिजाइन चुनने में उनका साथ दिया बल्कि, टैटू कलाकार के सामने उनकी प्राथमिकताओं को भी समझा। 'भाबीजी घर पर हैं' सोमवार से शुक्रवार तक एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

त्याग व ज्ञान योग जैन शासन में सबसे बड़े उपाय हैं, जो मोक्ष में ले जाते हैं। ज्ञानी कहते हैं आपके पास कुछ नहीं है लेकिन सद्बुद्धि है तो जीवन सफल हो जाएगा। सद्बुद्धि यानी सद्विचार, इससे बढ़कर बड़ी औषध नहीं, दुर्विचार समान जहर नहीं और संसार समान दुख नहीं है। जिस तरह जंजीर का बंधन हाथी को होता है, पिंजरे का बंधन पक्षियों को होता है, उसी तरह मानव को बंधन है स्वयं के विचारों का। आप मन को स्थिर रखने का प्रयास जरूर करें परन्तु वह शक्ति न हैं तो, तन को तो जरूर स्थिर रखो।

विचारों को दूर करने का उपाय है योग : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

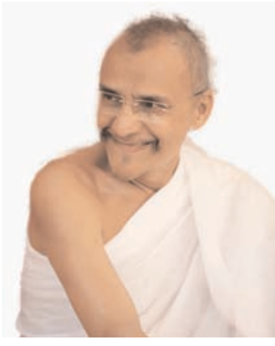

चेन्नई। किलपॉक स्थित एससी शाह भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने सोमवार को धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि त्याग व ज्ञान योग जैन शासन में सबसे बड़े उपाय हैं, जो मोक्ष में ले जाते हैं। ज्ञानी कहते हैं आपके पास कुछ नहीं है लेकिन सद्बुद्धि है तो जीवन सफल हो जाएगा। सद्बुद्धि यानी सद्विचार, इससे बढ़कर बड़ी औषध नहीं, दुर्विचार समान जहर नहीं और संसार समान दुख नहीं है। जिस तरह जंजीर का बंधन हाथी को होता है, पिंजरे का बंधन पक्षियों को होता है, उसी तरह मानव को बंधन है स्वयं के विचारों का। आप मन को स्थिर रखने का प्रयास जरूर करें परन्तु वह शक्ति न हैं तो, तन को तो जरूर स्थिर रखो। इंद्रियां मन की उपेक्षा करती है तब विचार कमजोर पड़ जाते हैं। मन के विचार आचार में तब परिवर्तित होते हैं जब इंद्रियां सक्रिय रहती है। मन अत्यंत चंचल है। मन को नियंत्रित करने के लिए इंद्रियों की बाड़ लगी हुई है। सच्चाई की शुरुआत गलती से होती है। ठोकरें ही चलाना सिखाती है। ठोकरें खाए बिना सफलता नहीं मिलती।

आचार्यश्री ने कहा कि विचारों को दूर करने का उपाय है योग। ध्यान में जितना रहोगे उतना ही चित्त प्रसन्न रहेगा। हमारे शरीर से अधिक प्रभावशाली है मन, मन से अधिक प्रभावशाली है परिणाम यानी विचार और उससे भी ज्यादा प्रभावशाली है हमारी आत्मा। तीर्थंकर की आत्मा वही बन सकती है, जिनके पास श्रद्धा, सम्यक्त्व की अखंडता रखने वाला और 'सभी जीवों का कल्याण करूं' की भावना हो। हमने समय को इतना बर्बाद कर दिया है कि अब समय हमें बर्बाद करने पर तुला है।

पुण्य में वृद्धि के लिए शुभ कार्य करने के लिए हर घड़ी शुभ : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम के एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वी चैतन्याश्री जी म.सा. ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान की वाणी में 12 व्रत आर्ट ऑफ लिविंग हैं तो बारह भावना का चिंतन है आर्ट आफ थिंकिंग । पुण्य में वृद्धि के लिए शुभ कार्य करने के लिए शुभ घड़ी को देखी जाती है। शुभ यानी शुरू करो। शुरू करो दूसरों की भलाई के साथ हमारी भी भलाई करो। शुभ के साथ जुड़कर यात्रा शुरू की कोशिशों को छोड़ा नहीं तो 27 भव के बाद सम्यकत्व के कारण भगवान महावीर बनकर जन-जन का कल्याण करते हुए मोक्ष के परम सुख को प्राप्त कर लिया। शुभ लाने के लिए भाव शुभ रहना जरूरी है। भाव का महत्व बहुत अधिक हैं। मन में अगर शुभ विचार आते हैं तो देवलोक का सुख मिल सकता है और अगर अशुभ भाव आ जाये तो नरक एवं तिर्यंच के घोर दुर्गति और दुर्गम दुख का अतिथि बन जाते हैं। शुभ भावों के साथ शुभ वचनों में भी प्रवृत्त होना है।

नैतिकता के बिना एक व्यक्ति इस दुनिया में किसी पशु के समान है : आचार्य देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ में चातुर्मासार्थ बिराजमान आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने प्रवचन के माध्यम से कहा कि नैतिक मूल्य मानव को परिपूर्णता प्रदान कर उसे प्राकृतिक रचनाओं में श्रेष्ठ बनाते हैं, परंतु आधुनिकता के नाम पर इन मूल्यों का निरंतर अवमूल्यन होता जा रहा है। बढ़ता भौतिकतावाद उन्हें लील रहा है। परिणामस्वरूप नैतिकता घुट-घुटकर ही सांस ले पा रही है। यह स्थिति तब है जब नैतिकता को मानव समाज के अभिन्न अंग के रूप में मान्यता मिली है। नैतिकता के अभाव में मनुष्यता का आकलन संभव ही नहीं। नैतिकता व्यक्ति के विकास में एक सीढ़ी के समान है, जिसके सहारे हम अपने जीवन में आगे बढ़ते हैं। नैतिक मूल्यों के अभाव में मनुष्य मानव जीवन को निरर्थक बना देता है।

आचार्यश्री ने कहा कि नैतिकता के बिना एक व्यक्ति इस दुनिया में किसी पशु के समान है।हम जीवन में महत्वपूर्ण निर्णय नैतिक कसौटी पर कसने के बाद ही करते हैं, लेकिन देखने में आता है कि कई बार मनुष्य उसे अनदेखा कर फैसला करता है, जो नैतिक पतन का कारण बनता है। स्मरण रहे कि हम सिर्फ सुख भोगने के लिए ही इस संसार में नहीं आये है। इसीलिए केवल भौतिक सुखों के लिए नैतिकता का परित्याग करना उचित नहीं। इसका एक कारण यही है कि अब हमने अपने अंत:करण की आवाज को अनसुना करना आरंभ कर दिया है।

पुष्यनक्षत्र के मौके पर हुआ प्रभु प्रतिमा का अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी जैन संघ में आचार्यश्री विजय विज्ञानप्रभसूरीश्वरजी म.सा. ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि अपना मन परिस्थिति के अनुसार बदलता रहता है क्योंकि अपेक्षाएं, चंचलताएं, लालसाएं होती है। उन्होंने कहा कि मन को वश में रखना बहुत भारी काम है। धर्मस्थान में मन अलग रूप में होता है और कर्मस्थल में अलग रूप में होता है। मन मे कुछ विचारों में, कुछ वाणी में, कुछ आचरण में कुछ ये सब अस्थिरता की निशानी है। बदलती परिस्थिति में भी मन को स्थिर रखना यह योगी की निशानी है। और वही व्यक्ति दुनिया को जीत सकता है।

संतश्री ने कहा की मुझे गुरुदेव गच्छाधिपति हेमप्रभसूरीश्वरजी की सेवा करने का मौका मिल रहा है जिसके लिए मैं अपने आप को सौभाग्यशाली मानता हूँ। मंगलवार को बेसते महीने का और पुष्यनक्षत्र के निमित्त से श्री संभवनाथ मंदिरजी में शक्रस्तव के पाठ के साथ प्रभु प्रतिमा का विशेष अभिषेक किया गया।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

स्थानकवासी परम्परा में दो-दो पर्युषण पर्व मनाना दुर्भाग्यपूर्ण : मनोज जैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मायावरम। अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन के राष्ट्रीय सचिव मनोज जैन ने कहा कि स्थानकवासी परम्परा में दो दो पर्युषण पर्व मनाने की घटना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

पहले से ही छोटे समुदाय में इस तरह अलग अलग पर्युषण मनाना ठीक नहीं, अलग अलग सम्प्रदाय के साधु साध्वी के विचारों में मतभेद हों सकता है परन्तु विश्व का सबसे प्राचीन और तार्किक धर्म जैन धर्म है इसलिए हम सभी को एकजुट होकर एक दिन ही पर्युषण पर्व मनाकर एकजुटता का परिचय देना चाहिए।

सरिता बनीं समता महिला मंडल की अध्यक्ष, मोनिका बनीं मंत्री, कोषाध्यक्ष बनीं प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के साधुमार्गी जैन संघ के अध्यक्ष धर्मचंद बंबकी ने समता महिला मंडल बेंगलूरु की नई अध्यक्ष के रूप में सरिता खिंवेसरा को मनोनीत किया महामंत्री द्वारा निवर्तमान अध्यक्ष बबिता गुलगुलिया, मंत्री ज्योति बोथरा, कोषाध्यक्ष प्रियंका कोठारी के नेतृत्व में पिछली कार्यकारिणी के कार्यों की सराहना की गई। नवनियुक्त अध्यक्ष सरिता खिवेंसरा ने मंत्री पद पर मोनिका रांका एवं कोषाध्यक्ष पद पर प्रियंका कोठारी को नियुक्त किया एवं शीघ्र ही नयी कार्यकारिणी के गठन की घोषणा की। संघ के मार्गदर्शक कमल सिपानी ने उन्हें शुभकामनाएं दी।

अध्यात्म का आवश्यक आचार है वंदन : मुनि दीपकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री दीपकुमारजी ने षडावश्यक प्रवचन श्रृंखला के अंतर्गत 'वंदना' विषय पर कहा कि अध्यात्म का आवश्यक आचार है वंदना।जैसे व्यवहार में नमस्कार सुंदर शिष्टाचार है। वंदना यानी विनम्रता यह सब गुणों की जननी है। अहंकार सब बुराइयों की जड़ है और विनम्रता सद्गुणों की खान है। इसी गुण से मनुष्य परिवार समाज और आत्मा तीनों में प्रतिष्ठित होता है। वंदना महाव्रतधारी, समताधारी, मुनि साध्वी को होती है। वर्तमान युग में शिक्षा के साथ जो अनुशासनहीनता पनप रही है। उनका सही समाधान है त्यागीजनों के प्रति समादर करना वंदना से कर्मों की निर्जरा होती है। तीनों योग शुभ होते हैं। मुनिश्री ने द्रव्य वंदना और भाव वंदना के बारे में बताया।

मुनिश्री काव्यकुमारजी ने गीत का संगान किया। तेरापंथ सभा द्वारा आगामी 30 सितंबर को गुरु दर्शन संघ ले जाने की विस्तृत जानकारी सभा उपाध्यक्ष एवं संयोजक सुरेश मांडोत ने दी। गुरु दर्शन कृतज्ञता यात्रा संघ के बैनर का अनावरण प्रायोजक मनोहरलाल, कमलादेवी परिवार, सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, मंत्री मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष राकेश पोखरना, महिला मंडल उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया, मंत्री आशा कोठारी ने किया।

प्रभु के वचन ही धर्म हैं, जो हमारी रक्षा करते हैं : आचार्य अभयशेखरसूरी

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी म.सा. ने कहा कि हम पवित्र हैं लेकिन पवित्रता को उज्ज्वल रखना है तो मोबाइल आदि साधनों से डरते रहो। एक बार पाप का प्रवेश हो जाये फिर पाप को निकालना बहुत मुश्किल होता है। प्रभु के वचन हैं कि वही धर्म हमारी सुरक्षा करेगा जिस धर्म को हमने सुरक्षित रखा है। 'धर्मो रक्षति रक्षित:' अर्थात जो शुद्ध है उसी का धर्म सुरक्षित है। शुद्ध की परिभाषा करते है जो निर्दंभ, निष्कपट और सरल हैं। माया करने वाले शुद्ध नहीं होते। माया का काम है रिश्ते को काटना। अपराधी सज़ा से बचने के लिए सभी सबूत मिटाने की कोशिश करता है, उसी तरह भव आलोचना द्वारा हमें अपने पापों के सबूतों को मिटाना है और कर्म सत्ता के कोर्ट की सजा से बचना है ।

किए हुए पापों का प्रायश्चित करें: साध्वी प्रतिभाश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के अक्कीपेट स्थित वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. ने ज्ञाताधर्मकथांग सूत्र के छठे अध्ययन में तुंबा के बारे में बताते हुए कहा कि तुंबा हल्का होता है। जिस प्रकार तुम्बा के ऊपर 7 बार मिट्टी का लेप करने से ही भारी हो जाता है। उसी प्रकार हमारी आत्मा भी हल्की होती है, सरल है उसका स्वभाव उर्ध्वगमन होता है। लेकिन उसके ऊपर 8 कर्मों के इस चिपक जाने से आत्मा भारी हो जाती है। व्यक्ति से पाप तो हो जाता है लेकिन पाप हो जाए तो उसे स्वीकार करके उसका पश्चाताप करके प्रायश्चित जरूर करना चाहिए। जीवन निर्माण हो इसका सूत्र है । पहला सूत्र है कि क्लेश हो ऐसा बोलना नहीं, जिसके द्वारा किसी का दिल दुखे ऐसी वाणी का प्रयोग नहीं करना चाहिए्। हमारे बोलने से अगर किसी का दिल दुखता है तो वह भी एक तरह की हिंसा है। श्रावक को पाप भीरू होना चाहिए। इससे पूर्व साध्वी ऋषिताश्रीजी ने कहा कि अगर हमें हमारे जीवन को सार्थक बनाना है सफल बनाना है तो प्रभु महावीर ने तीन बातें बताई हैं, हमेशा अच्छी बातों को जीवन में ग्रहण करना चाहिए, अच्छी बातों को आगे से आगे प्रचार-प्रसार भी करना चाहिए और खराब बातों को जीवन से निकाल देना चाहिए। साध्वीश्री अनुज्ञाश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की।

श्रावण माह में मनाया दादी का सिंजारा उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। तिरुपुर दादी परिवार द्वारा मंगलवार को रायपुरम गणेश मन्दिर में 11वां राणी सती दादी का सिंजारा उत्सव शुरु किया गया। इस मौके पर मंगल पाठ का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

दादी परिवार कि अध्यक्ष शीला शाह ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि दादी परिवार की ेर से 3 अगस्त से शिवमहापुराण कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर सरोज पित्ती, मधु चौधरी, बीरा कामदार, प्रभा तोदी, छाया परमानन्दका, सुमन गुप्ता उपस्थित थी।

दादी परिवार की सदस्याओं ने भजनों की प्रस्तुति दी। भागीरथ गुलेरिया एवं कार्तिक शर्मा ने महाप्रसाद वितरण किया।

गुणवान बनने के लिए किया जाता है नमस्कार : मुनि मनीषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के खरतरगच्छ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी ने कहा कि हम जो भी क्रिया करते है जो भी कार्य करते है उसका परिणाम को ध्यान में रखकर करते है । व्यापार करते है हानि-लाभ को ध्यान में रखकर व्यापार करते है। हर क्रिया लक्ष्य को महत्व देते हुए करते है। परमात्मा की भक्ति से समृद्धिवान, समर्थ व शुद्ध बनते हैं। माता पिता की सेवा करना चाहिए क्योंकि उनके सेवा से समृद्धि प्राप्त होती है। गुणवान को नमस्कार गुणवान बनने के लिए किया जाता है। मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी ने गीत की प्रस्तुति दी।

विप्र स्पोर्ट्स क्लुब के क्वार्टर फाइनल मैच 23 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विप्र स्पोर्ट्स क्लब द्वारा प्रायोजित विप्र प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में रविवार को अन्तिम लीग मैच मेगना इंजीनियरिंग कॉलेज मगरल विलेज के दोनों टर्फ मैदानों पर खेले गये। विप्र स्पोर्ट्स क्लब के महामंत्री शंकर लाल शर्मा ने बताया कि ए मैदान पर पहला मैच पारीक यूथ स्पोर्ट्स क्लब टीम व सारस्वत समाज टीम की बीच हुआ जिसमें पारीक टीम विजयी हुई तथा मोहित पारीक को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। दूसरा मैच आदिगौड़ समाज टीम का रावल समाज टीम के बीच हुआ जिसमें आदिगौड़ समाज टीम जीती और नितिन कुमार को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। तीसरा मैच राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब व सेवग समाज टीम का हुआ जिसमें सेवग टीम विजयी हुई और दिनेश पुरोहित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़टीम का रावल समाज टीम के बीच हुआ जिसमें आदिगौड़ समाज टीम जीती और नितिन कुमार को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। तीसरा मैच राजपुरोहित स्पोर्ट्स क्लब व सेवग समाज टीम का हुआ जिसमें सेवग टीम विजयी हुई और दिनेश पुरोहित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़के बीच हुआ जिसमें दाहिमा टीम जीती और वेंकटेश डोबा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। अंतिम मैच खेतेश्वर स्पोर्ट्स क्लब टीम का सुपर लीजेंड टीम से था जिसने खेतेश्वर टीम जीती व हरीसिंह राजपुरोहित को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। सभी मैन ऑफ़ दि मैच किरण सिंह राजपुरोहित द्वारा प्रायोजित थे। 23 जुलाई को क्वार्टर फाइनल मैच होंगे। सेमी फाइनल मैच 30 जुलाई व फाइनल मुक़ाबला 6 अगस्त को खेला जाएगा।

माया से दूर होने पर ही हम मोक्ष की प्राप्ति कर सकते हैं : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। साहुकारपेट के एसएस भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धर्मप्रभाश्री ने श्रध्दालुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि माया से दूर रहने पर आत्मा मोक्षगामी बन सकती है। संसार का दूसरा नाम ही माया है। वस्तुत: यह माया इस जीव को हर रोज नाच-नचाती है और मानव आत्मबोध की ओर जाता नहीं, हमेशा क्षणभंगुर संसार में माया के रत मे लगा रहता हैं। जब तक मनुष्य माया मे लगा रहेगा तो संसार मे अनंत बार माँ कि गृभ में आयेगा। मनुष्य छल-कपट और रिश्वत देकर दूसरों की नजरों मे धूल झोंक सकता है, लेकिन परमात्मा की नजरों मे नहीं। मनुष्य भगवान को धोखा नहीं दे सकता है क्योंकि ईश्वर कि एक नहीं।

साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र के चतुर्थ अध्ययन कि गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि मनष्य छल-कपट और रिश्वत देकर दूसरों की नजरों मे धूल झोंक सकता है, लेकिन परमात्मा की नजरों मे नहीं। मनुष्य भगवान को धोखा नहीं दे सकता है क्योंकि ईश्वर कि एक नहीं साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र के चतुर्थ अध्ययन कि गाथा का वर्णन करते हुए कहा कि मनुष्य की आत्मा का घर मोक्ष है,माया नही है। मनुष्य कितना भी जप तप कर लें,लेकिन जब तक माया के पीछे मनापड़ा रहेगा तब तक इस संसार से आत्मा को मुक्ति नही दिला सकता है। मनुष्य इस सत्य से वाकिफ है,की माया उसके साथ नही जाने वाली है। फिर भी मनुष्य माया को अपना समझ रहा है।

साहुकारपेट के महामंत्री सज्ज्ञनराज सुराणा ने बताया कि धर्मसभा मे तपस्वी प्रियंका अभिषेक चौरड़िया ने नौ उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ के कार्याध्यक्ष महावीरचन्द सिसोदिया सुरेश डूंगरवाल,पदम ललवाणी, महावीरचन्द कोठारी हस्तीमल खटोड़, जितेंद्र भंडारी, भरत नाहर आदि ने तपस्वी का सम्मान किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.